RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:25 ता. 21 जुलाई 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

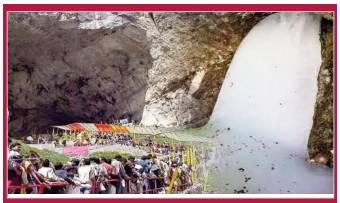

3471 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना

जम्मू। बम बम भोले के जयकारों के साथ 3471 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था शनिवार को अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्री 114 वाहनों के बेड़े में पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों के लिए रवाना हुए। बालटाल के लिए 1073 और पहलगाम के लिए 2398 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आधार शिविर से रवाना हुए। पिछले साल, 4.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में दर्शन किए। 52 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

जेएनयू की दीवारों पर जातिसूचक गालियां और सांप्रदायिक नारे लिखे पाये गये

नई दिल्ली । नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई साॅल्वर गैंग के खिलाफ अपना शिकंजा लगातार कस रही है। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी है। गिरफ्तार दो आरोपी मेडिकल के छात्र हैं और साॅल्वर गैंग का हिस्सा थे। सीबीआई के सूत्रों ने बताया कि जिन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वह सभी झारखंड के हजारीबाग में पेपर साॅल्व करने के लिए एग्जाम के दिन 5 मई को सुबह मौजूद थे। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में कुमार मंगलम बिश्नोई, दीपेंद्र कुमार और शशि कुमार पासवान शामिल हैं। इनमें से कुमार मंगलम बिश्नोई और दीपेंद्र कुमार भरतपुर मेडिकल कॉलेज के छात्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह दोनों नीट पेपर के दिन 5 मई को झारखंड के हजारीबाग में मौजूद थे और पेपर साॅल्व कर रहे थे। वहीं शशि कुमार पासवान को साॅल्वर गैंग का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। शशि कुमार पासवान पहले गिरफ्तार हुए पंकज उर्फ आदित्य और राजू का साथी है। पंकज ने ही हजारीबाग से टंक से पेपर चुराने का आरोप है। पंकज ने ही शशि की मदद की थी। इससे पहले सीबीआई ने रांची के रिम्स मेडिकल कॉलेज से सुरभि कुमारी नाम की छात्रा और सुरेंद्र नाम के शख्स को गिरफ्तार किया था। इनसे पहले पटना एम्स के 4 मेडिकल छात्रों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। यह सभी लोग पेपर साॅल्वर गैंग का हिस्सा थे।

बसपा अध्यक्ष हत्या केस में भाजपा नेत्री गिरफ्तार

चेन्नई । तमिलनाडु के बसपा प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग (52) की हत्या के मामले में पुलिस ने भाजपा की महिला पदाधिकारी अंजलाई को गिरफ्तार किया है। नॉर्थ चेन्नई की महिला मोर्चा की पदाधिकारी अंजलाई पर आरोप है कि उन्होंने आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल एक हमलावर को 10 लाख रुपए दिए थे। यह रकम उन्हें एक बदमाश से मिली थी जो किसी दूसरे मामले में वेल्लेर सेंट्रल जेल में बंद है। पुलिस के मुताबिक, महिला ने हमलावरों को शरण भी दी थी। आर्मस्ट्रांग हत्या केस में नाम आने के बाद अंजलाई को पार्टी ने निकाल दिया गया है। के. आर्मस्ट्रांग की 5 जुलाई को चेन्नई में उनके घर के बाहर बाइक सवार छह हमलावरों ने चाकू-तलवारों से हत्या का दी। हमला तब हुआ जब आर्मस्ट्रांग शाम करीब 7 बजे सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सत्ता में बैठे लोगों को न खेती और न ही किसानों की चिंता है : पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को किसानों और खेती से कोई मतलब नहीं न ही कोई चिंता है। उन्होंने कहा कि प्याज और गन्ने का उत्पादन करने वाले किसान अपनी फसल का उचित मूल्य न मिलने से परेशान हैं। पुणे के अहमदनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए पवार ने लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने लोकसभा चुनावों में एक अच्छा काम किया है। पवार ने दावा किया कि प्याज का उत्पादन करने वाले किसान परेशान हैं क्योंकि सत्ता में बैठे लोग उन्हें सही कीमत देने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी नासिक में थे। इस दौरान एक किसान ने खड़े होकर कहा कि पीएम मोदी के पास दुनिया की बातें करने के लिए बहुत समय है। किसान ने पीएम मोदी से टमाटर की फसल की उचित कीमत देने को कहा लेकिन इसी बीच पुलिस वाले किसान को वहां से पकड़कर ले गए। पवार ने कहा कि आज गन्ना उत्पादक परेशान हैं क्योंकि वे अतिरिक्त चीनी का निर्यात नहीं कर सकते। इससे पता चलता है कि सत्ता में बैठे लोगों को खेती या किसानों की कोई चिंता नहीं है। उन्हें सिर्फ सत्ता पाने और अपने स्वार्थ की चिंता है।

3 राज्यों में विधानसभा चुनाव...अबकी बार मीडिल क्लास फ्रेंडली बजट

मध्यवर्ग को सरकार दे सकती है टैक्स छूट का तोहफा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को 2024-25 का आम बजट पेश करके लगातार सातवीं बार बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। लेकिन इस रिकॉर्ड को कायम करने की राह में वित्त मंत्री के सामने ऐसा बजट पेश करने की चुनौती है जो महंगाई और रोजगार की समस्या घटाने के साथ ही इकोनॉमी की स्पीड में भी तेजी लाने का काम करे। दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई है। ऐसे में इस साल होने वाले हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों से पहले इस बजट के जरिए लोगों का भरोसा जीतने के लिए कई बड़े एलान किए जाने का अनुमान है। नई सरकारें आमतौर पर लोक-लुभावन बजट पेश नहीं करती हैं। लेकिन लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद इस बार मध्यम वर्ग के लिए फ्रेंडली बजट पेश किया जा सकता है।

बजट से मिलेगी मध्यम वर्ग को राहत

सबसे पहले तो माना जा रहा है कि इस बार के बजट में चुनावों में दूर छिटके मध्यवर्ग को अपनी तरफ खींचने के लिए सरकार टैक्स छूट का तोहफा दे सकती है। अनुमान है कि सरकार आयकर छूट की सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर सकती है। इसके अलावा टैक्स स्लैब्स को भी बढ़ाकर लोगों की जेब में ज्यादा रकम पहुंचा सकती है। इस कदम से सरकार टैक्स का बोझ कम करेगी जिससे लोगों को महंगाई से राहत मिल सकती है। वहीं नए टैक्स सिस्टम को आकर्षक बनाने के लिए टैक्स डिडक्शन लिमिट को बढ़ाने और दूसरी जरूरी कटौतियों को शामिल किया जा सकता है। इस बढ़ाने से टैक्सपेयर्स को राहत मिलेगी और पुरानी टैक्स रीजीम से स्विच करने के लिए ज्यादा प्रोत्साहित किया जा सकेगा।

ग्रामीण रोजगार पर रहेगा फोकस!

इसके बाद सरकार युवाओं को साधने के मकसद से रोजगार बढ़ाने वाली योजनाओं का बजट में ऐलान कर सकती है। रोजगार को बढ़ाने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने से जुड़े ऐलान भी किए जा सकते हैं। जानकारों ने पीएम मोदी के सामने भी कृषि विकास के बारे में चिंता जताई थी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कमी और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा योजना के तहत दिए गए छोटे-छोटे कर्जों के बावजूद क्रेडिट ग्रोथ में सुस्ती को भी उजागर किया गया था। इस समस्या का समाधान करके सरकार कई दूसरे सेक्टर्स की भी मदद करेगी क्योंकि स्मरूष्टस से लेकर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स तक की ग्रोथ देश के ग्रामीण बाजारों पर निर्भर है। इसी तरह कृषि क्षेत्र के लिए भी कई एलान बजट में किए जा सकते हैं।

कृषि में एमएसपी का मुद्दा सुलझाएगा बजट!

किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए एमएसपी की खामियां सरकार दूर कर सकती है। फसलों की सरकारी खरीद कुल उपज का करीब 6 फीसदी है। ऐसे में कृषि बाजारों और ग्राम हाट जैसे वैकल्पिक सिस्टम को तैयार करके ज्यादातर किसानों को एमएसपी जितना दाम दिलाया जा सकता है। उत्पादन बढ़ाने के लिए बेहतर बीज का इंतजाम आसान किया जा सकता है। पीएम किसान की रकम को 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार या उससे भी ज्यादा किया जा सकता है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बड़े एलान होंगे!

इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लेकर भी सरकार गंभीर है। बजट में ऐसी योजनाएं लाई जा सकती हैं जिनसे भारत में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा जो आर्थिक ग्रोथ में इजाफा करेगा और ग्लोबल सप्लाई चेन में भी भारत का रोल महत्वपूर्ण करेगा।

इसके अलावा कभी दुनिया में टेक्सटाइल के मोर्चे पर अपना दबदबा रखने वाला भारत इस बार के बजट से इस सेक्टर की भी कायापलट होने की उम्मीद लगाए बैठा है।

आतंकियों पर नियंत्रण पाने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियां आपस में तालमेल बढ़ाएं: गृहमंत्री

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बैठक की। बैठक में शाह ने आतंकी नेटवर्क और उनके सहायक इको-सिस्टम को खत्म करने के लिए सभी एजेंसियों के तालमेल पर जोर दिया। गृह मंत्री ने देशभर की खुफिया और प्रवर्तन एजेंसियों समेत सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार का दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने देश की समग्र आंतरिक सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की समीक्षा करते हुए गृहमंत्री ने सभी प्रतिभागियों से मल्टी एजेंसी सेंटर में अपनी भागीदारी बढ़ाने और इसे एक सामंजस्यपूर्ण मंच बनाने के लिए कहा, जो निर्णायक और त्वरित कार्रवाई के लिए सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों, ड्रग्स-रोधी एजेंसियों, साइबर सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों को एक साथ लाता है। गृह मंत्री ने कहा कि एमएसी ने अपने घटकों का विश्वास अर्जित किया है और इसे अंतिम रिस्पांडर्स सहित कई हितधारकों के बीच प्रो-एक्टिव और रियल टाइम कार्रवाई योग्य जानकारी साझा करने के लिए एक मंच के रूप में 24 घंटे काम करना जारी रखना चाहिए। शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा में शामिल सभी एजेंसियों से युवा, तकनीकी रूप से कुशल जोशीले अधिकारियों की एक टीम बनाने पर जोर दिया, ताकि बिग डेटा और एआई अथवा एमएल संचालित एनालिटिक्स और तकनीकी प्रगति का उपयोग करके आतंकी इकोसिस्टम को खत्म कर सके। उन्होंने दोहराया कि नई और उभरती सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर हमें अपने रिस्पॉन्स में हमेशा एक कदम आगे रहना होगा। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में, एमएसी फेमवर्क अपनी पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए बड़े तकनीकी और ऑपरेशनल सुधारों को लागू करने को तैयार हैं। उन्होंने सभी स्टेकहोल्डर्स से इन प्रयासों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया है।

हरियाणा के कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

नई दिल्ली ।

अवैध खनन के मामले में ईडी की टीम ने बड़ा एक्शन लेते हुए हरियाणा के सोनीपत के कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार कर लिया है। पंवार पर यमुनानगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन करवाने का आरोप है। ईडी सुरेंद्र पंवार को रिमांड के लिए अंबाला के स्पेशल कोर्ट में ले जा रही है। मामला यमुनानगर क्षेत्र में सिंडिकेट द्वारा लगभग 400-500 करोड़ रुपये के अवैध खनन से संबंधित है। हरियाणा पुलिस द्वारा अवैध खनन के संबंध में पवार और अन्य के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की थी जिसके बाद पिछले साल साल ईडी ने जांच अपने हाथ में ली थी। इस साल जनवरी में ईडी द्वारा आईएनएलडी से पूर्व एमएलए दिलबाग सिंह, सुरेंद्र पंवार और अन्य सहयोगियों के यहां 20 जगहों पर छापे मारे गए थे। ईडी इस मामले में पहले दिलबाग सिंह और कुलविंदर सिंह को गिरफ्तार कर चुकी है।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मां के घर से बंदूक और जिंदा कारतूस बरामद

मनोरमा को पुलिस ने महाड से पकड़ा था जहां वह एक लॉज में छिपी थीं

पुणे।

विवादास्पद ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के साथ साथ अब उनका परिवार भी विवाद में घिरता जा रहा है। अब पुणे पुलिस ने पूजा की मां मनोरमा खेडकर के पुणे स्थित घर से एक महंगी कार, एक लाइसेंसी पिस्तौल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को भूमि विवाद को लेकर बंदूक दिखाकर लोगों को धमकाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारी ने बताया कि मनोरमा को सुबह महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड से पकड़ा गया। मनोरमा खेडकर महाड के हिरकनिवाड़ी में एक लॉज में छिपी हुई थीं। पकड़े जाने के बाद मनोरमा को पुणे जिले के पौड पुलिस स्टेशन लाया गया। पुलिस ने खेडकर दंपति और पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें बेईमानी या धोखाधड़ी से संपत्ति को हटाना या छुपाना और शस्त्र अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधान शामिल हैं। पूजा खेडकर यूपीएससी की उम्मीदवारी में विकलांगता और ओबीसी प्रमाण पत्रों के संबंध में अपने दावों के साथ पुणे कलेक्टर कार्यालय में कार्यकाल के दौरान अपने व्यवहार के लिए जांच के दायरे में हैं। वहीं, पुणे की एक अदालत ने ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर को 25 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। यह गिरफ्तारी उस मामले में की है जिसमें उन पर एक भूमि विवाद को लेकर एक व्यक्ति को पिस्तौल दिखाकर धमकाने का आरोप है। उनके वकील ने बताया कि जज एएन मारे ने उन्हें सुनवाई की अगली तारीख 25 जुलाई दी है। दिलीप और मनोरमा खेडकर के अलावा पांच अन्य के खिलाफ पौड़ पुलिस थाने में कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी पहुंचे जम्मू-कश्मीर

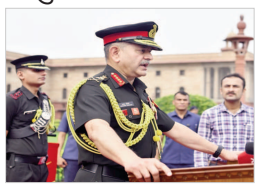

नई दिल्ली।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सुरक्षा स्थिति की जायजा लेने शनिवार को जम्मू पहुंचे। उन्हें सुरक्षा बलों ने कब्जे में लिए जा रहे क्षेत्रों के बारे में फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा जानकारी दी गई। अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक भी होने की संभावना है। सेना प्रमुख का यह दौरा जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन ब्रिजेश थापा समेत चार जवानों के शहीद होने के बाद हो रहा है। सेना प्रमुख की जम्मू-कश्मीर की दूसरी यात्रा होगी। तीन जुलाई को उन्होंने एलओसी पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए पुंछ-राजौरी सेक्टर का दौरा किया था। बता दें जनरल उपेन्द्र ने 30 जून को भारतीय सेना की कमान संभाली थी। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू-कश्मीर राइफल्स से हैं और इस साल फरवरी से थल सेना के उप प्रमुख थे। जम्मू क्षेत्र में उच्च प्रशिक्षित पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ को देखते हुए, भारतीय सेना खुफिया सूचनाओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के मुताबिक क्षेत्र में अपनी तैनाती को फिर से समायोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने भी क्षेत्र में अपने तंत्र को मजबूत किया है और आतंकवादियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं समेत आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने यहां पाकिस्तान की छद्म आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए पहले ही क्षेत्र में करीब 4000 कर्मियों की एक ब्रिगेड सेना तैनात की है। उन्होंने बताया कि जमीन पर सेना के अधिकारी नवीनतम हथियारों और संचार उपकरणों से लैस आतंकवादियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

देश की आर्थिक राजधानी हुई पानी-पानी,

कई रास्ते डायवर्ट, नहीं खुले स्कूल-कालेज

मुंबई।

मुंबई और उसके उपनगरों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया, लेकिन मुंबई की लाइफ लाइन लोकल ट्रेनें सामान्य रूप से चलती रही। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा कि शनिवार सुबह 24 घंटे के दौरान मुंबई में 91 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में 87 मिमी और 93 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने मुंबई में हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। एक अधिकारी ने कहा कि सुबह 11.28 बजे 4.24 मीटर और रात 11.18 बजे 3.66 मीटर का उच्च ज्वार आने की संभावना है। भारी बारिश से महानगर में कुछ जगहों पर पानी भर गया।

जलभराव से कुर्ला इलाके में शीतल सिनेमा और काले मार्ग की सड़क पर यातायात को डायवर्ट किया गया। बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह, गोरेगांव पूर्व में आरे मार्ग पर यातायात को दोनों दिशाओं में सीपज-मरोल मरोशी-जेवीएलआर के जरिए मोड़ दिया गया। यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा कि अंधेरी सबवे को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और यातायात को एसवी रोड पर डायवर्ट किया है। मध्य रेलवे और साथ ही पश्चिमी रेलवे ने कहा कि सभी मार्गों पर सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं। मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण नागपुर जिले के सभी स्कूल और कॉलेज 20 जुलाई को बंद किए गए। शनिवार के लिए नागपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। नागपुर में अमरावती, भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया और नागपुर जिलों के कुछ जलक्षेत्रों और आसपास बाढ़ की चेतावनी जारी की है जो अगले कुछ घंटों के लिए वैध है।

एमबीबीएस की छात्रा सुरभि ने कुबूला पेपर सॉल्व करने 10 लाख में हुई थी डील

पटना। नीट पेपर लीक मामले में बिहार के रिम्स की एमबीबीएस की छात्रा सुरभि कुमारी को सीबीआई ने कल गिरफ्तार किया था। सुरभि से पूछताछ में सीबीआई को कई चौंकाने वाली जानकारियां पता चली हैं। वहीं रिम्स के तीन और छात्र भी शक के दायरे में हैं। पेपर लीक मामले में झारखंड में कई और एक्शन देखने को मिल सकते हैं। वहीं सुरभि की गिरफ्तारी के बाद रिम्स ने भी जांच चल रही है। सुरभि के खिलाफ अनुशासनात्मक के लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूछताछ में सुरभि ने माना की उसने नीट का पेपर सॉल्व किया था। इसके लिए पेपर लीक गैंग ने उसे दस लाख रुए देने की बात कहीं थी। कुछ पैसे मिले भी लेकिन पेपर लीक मामला सामने आने और अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी के बाद यह गैंग अंडरग्राउंड हो गया। इसलिए पूरी राशि नहीं मिल पाई है। उसे कितने पैसे मिले, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सीबीआई को रिम्स के तीन और छात्रों के इस मामले में शामिल होने का शक है। इनमें 2023 बैच के एक मेडिकल छात्र और एक छात्रा के अलावा 2022 बैच का एक छात्र भी शामिल हैं। अब जांच एजेंसी एक बार फिर रिम्स में बड़ी कार्रवाई कर सकती है। पटना एम्स में पकड़े गए मेडिकल छात्रों ने सुरभि का नाम लिया था। पता चला है कि सुरभि ने तीन छात्रों को पैसे का लालच देकर पेपर सॉल्व कराया था। इधर पटना एम्स प्रशासन की कमेटी ने नीट पेपर लीक मामले में पकड़े गए चार एमबीबीएस छात्रों को निलंबित करने का फैसला लिया है। एम्स के कार्यकारी निदेशक ने बताया है कि इनमें से थर्ड ईयर के तीन और सेकेंड ईयर का एक एमबीबीएस छात्र शामिल है। सीबीआई की ओर से दावा किया गया है कि ये सभी पेपर सॉल्व करने का काम करते थे। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी पहुंचे जम्मू-कश्मीर

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सुरक्षा स्थिति की जायजा लेने शनिवार को जम्मू पहुंचे। उन्हें सुरक्षा बलों ने कब्जे में लिए जा रहे क्षेत्रों के बारे में फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा जानकारी दी गई। अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक भी होने की संभावना है। सेना प्रमुख का यह दौरा जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन ब्रिजेश थापा समेत चार जवानों के शहीद होने के बाद हो रहा है। सेना प्रमुख की जम्मू-कश्मीर की दूसरी यात्रा होगी। तीन जुलाई को उन्होंने एलओसी पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए पुंछ-राजौरी सेक्टर का दौरा किया था। बता दें जनरल उपेन्द्र ने 30 जून को भारतीय सेना की कमान संभाली थी। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू-कश्मीर राइफल्स से हैं और इस साल फरवरी से थल सेना के उप प्रमुख थे। जम्मू क्षेत्र में उच्च प्रशिक्षित पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ को देखते हुए, भारतीय सेना खुफिया सूचनाओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के मुताबिक क्षेत्र में अपनी तैनाती को फिर से समायोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने भी क्षेत्र में अपने तंत्र को मजबूत किया है और आतंकवादियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं समेत आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने यहां पाकिस्तान की छद्म आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए पहले ही क्षेत्र में करीब 4000 कर्मियों की एक ब्रिगेड सेना तैनात की है। उन्होंने बताया कि जमीन पर सेना के अधिकारी नवीनतम हथियारों और संचार उपकरणों से लैस आतंकवादियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

देश की आर्थिक राजधानी हुई पानी-पानी, कई रास्ते डायवर्ट, नहीं खुले स्कूल-कालेज

मुंबई। मुंबई और उसके उपनगरों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया, लेकिन मुंबई की लाइफ लाइन लोकल ट्रेनें सामान्य रूप से चलती रही। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा कि शनिवार सुबह 24 घंटे के दौरान मुंबई में 91 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में 87 मिमी और 93 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने मुंबई में हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। एक अधिकारी ने कहा कि सुबह 11.28 बजे 4.24 मीटर और रात 11.18 बजे 3.66 मीटर का उच्च ज्वार आने की संभावना है। भारी बारिश से महानगर में कुछ जगहों पर पानी भर गया। जलभराव से कुर्ला इलाके में शीतल सिनेमा और काले मार्ग की सड़क पर यातायात को डायवर्ट किया गया। बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह, गोरेगांव पूर्व में आरे मार्ग पर यातायात को दोनों दिशाओं में सीपज़-मरोल मरोशी-जेवीएलआर के जरिए मोड़ दिया गया। यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा कि अंधेरी सबवे को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और यातायात को एसवी रोड पर डायवर्ट किया है। मध्य रेलवे और साथ ही पश्चिमी रेलवे ने कहा कि सभी मार्गों पर सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं। मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण नागपुर जिले के सभी स्कूल और कॉलेज 20 जुलाई को बंद किए गए। शनिवार के लिए नागपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। नागपुर में अमरावती, भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया और नागपुर जिलों के कुछ जलक्षेत्रों और आसपास बाढ़ की चेतावनी जारी की है जो अगले कुछ घंटों के लिए वैध है।

डिहाइड्रेशन के कारण कच्छ सीमा पर सेना के दो जवानों की मौत

कच्छ। गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ से एक दुःखद घटना सामने आई है। सीमा पर गश्त कर रहे सेना के 6 जवान डिहाइड्रेशन की चपेट में आ गए। इस घटना में दो जवानों की मौत हो गई। यह घटना लखपत के पास अट्टापट्टा क्रीक इलाके के पिलर नंबर 1136 के पास हुई है। जहां सीमा पर गश्त के दौरान 6 जवान डिहाइड्रेशन से प्रभावित हुए। जिसमें से एक जवान और एक अधिकारी की मौत हो गई है। इस से घटना के बाद सुरक्षा बल में शोक व्याप्त है। जानकारी है कि इस पूरे मामले में बीएसएफ आगे की जांच करेगी। फिलहाल दोनों शवों को भुज के सरकारी अस्पताल में रखा गया है। अस्पताल के एक बयान में कहा गया है कि पानी की अनुपलब्धता के कारण दलदली क्रीक के पास गश्त के दौरान पानी फंस जाने के दोनों जवानों की कारण मौत हो गई। इन जवानों में उत्तराखंड के मालीपाटन के मूल निवासी दयालकुमार बस्तानाराम और बिहार के कदारा निवासी विश्वदेव रमणनाथ झा शामिल हैं।

चेन स्नैचिंग : 20 मीटर तक कार के साथ घसीटते ले गए

मंडी। मंडी-पठानकोट नेशनल हाइवे पर जोगिंदरनगर के ऐहजु में पंजाब के तीन शातिरों ने कार से कॉलेज स्टूडेंट्स का मोबाइल, पर्स और चेन छीनने की कोशिश की। छीनाझपटी के दौरान शातिर युवती को कार के साथ 20-30 मीटर तक घसीटते ले गए। बाद में छात्रा छूटी और फिर घायल हो गई। बाद में आरोपियों ने जोगिंदर नगर बाजार में होमगार्ड जवान और स्कूटी सवार महिला को भी कुचल दिया था, लेकिन वह बाल बाल बच गई। उधर, पुलिस ने मुस्तादी दिखाते हुए नाकाबंदी के दौरान गुम्मा के पास इन शातिरों को दबोच लिया है। फिलहाल, घायल युवती को उपचार के लिए बैजनाथ अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर 3-00 के करीब ऐहजू के पास कॉलेज स्टूडेंट्स 20 वर्षीय नेहा वर्मा बस का इंतजार कर रही थी। स्थानीय पंचायत मटरू के गांव सूजा संद्राहल की रहने वाली नेहा घर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। इस बीच छात्रा को अकेला पाकर बैजनाथ की तरफ से बिना नंबर एक कार आई और युवती से छीनाछपटी कर दी। गले में बैग पहनने की वजह से आरोपी छीनाझपटी में सफल नहीं हुए तो कार की स्पीड बढ़ा दी। फिर कार की खिड़की के साथ लटकी युवती को 20 मीटर तक घसीट लए गए। बाद में युवती गिरी और घायल हो गई। आरोपी घटना के बाद भाग गए।

पुलिस ने दिखाई बहादुरी, सभी को दबोचा

जोगिंद्रनगर के साईं बाजार में बीच-बचाव में आए होमगार्ड जवान और मौके पर स्कूटी सवार महिला को भी तेज रफ्तार कार से कुचलने का प्रयास किया गया, लेकिन इससे यहां जाम लग गया। होमगार्ड जवान ने एक शातिर को दबोच ही लिया। आरोपियों ने इस दौरान पांच गाड़ियों को भी अपनी कार से टक्कर मारी थी। बाद में शातिरों ने पुलिस को चकमा देने के लिए अपनी कार पर नंबर भी लगा दिया। लेकिन पुलिस ने गुम्मा में नाकाबंदी कर कार समेत तीनों युवकों को दबोच लिया है। आरोपियों की पहचान अर्पित सिंह (20), सनमप्रीत सिंह (22), कुलविंद्र सिंह (21) के रूप मे हुई है। ये सभी पंजाब के मुक्तसर जिले की तहसील गिदड़बाहा के रोपाण इलाके के गांव दूहेवाला के रहने वाले हैं।

60 महीने में बन कर तैयार नहीं हुआ देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर

-सितंबर में शुरु होने की उम्मीद, इस 362 बेड्स और 39 आईसीयू बेड्स होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में बन रहा देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर का काम 60 महीने में भी पूरा नहीं हो सका है। इसे पूरा होने में अभी वक्त लेगा और लोगों को इलाज के लिए कुछ महीने और इंतजार करना होगा। इस ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा किया जाना था, लेकिन 60 महीनों में भी पूरा नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि इसी साल सितंबर में ट्रॉमा सेंटर का उद्?घाटन हो जाएगा। 9 मंजिला इस ट्रॉमा सेंटर में 362 बेड्स और 39 आईसीयू बेड्स होंगे।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर का सिविल व इलेक्ट्रिकल वर्क पूरा हो चुका है। इस महीने के आखिर में बिल्डिंग संजय गांधी अस्पताल ऐडमिनिस्ट्रेशन को हैंडओवर कर दी जाएगी। ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कार्य सितंबर, 2019 में शुरू हुआ था और मार्च, 2021 तक काम पूरा करना था लेकिन, कई वजहों से बिल्डिंग का निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका है। शुरुआत में ट्रॉमा सेंटर के निर्माण पर 84 करोड़ रुपए का बजट था लेकिन, काम में देरी के चलते इस प्रोजेक्ट में अब तक 117.78 करोड़ रुपए की लागत आ चुकी है। पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के मुताबिक ट्रॉमा सेंटर में 362 बेड्स हैं। यह देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर है। संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर में 39 आईसीयू बेड्स, 6 मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर्स होंगे। इस ट्रॉमा सेंटर के निर्माण के बाद दिल्ली में जितने भी ट्रॉमा सेंटर हैं, उन पर भार कम हो जाएगा। इसके बेसमेंट में पार्किंग की सुविधा है। 362 में से 50 फीसदी बेड्स इमरजेंसी, ट्रॉमा केयर और आईसीयू के लिए होंगे।

दिल्ली में सबसे पहला ट्रॉमा सेंटर दिल्ली सरकार ने 1998 में एलएनजेपी अस्पताल की मदद से सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर बनाया था, जिसमें बेड्स 49 हैं। साल 2006 में एम्स ने जयप्रकाश नारायण ट्रॉमा सेंटर शुरू किया था। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक वहां बेड की कुल क्षमता 243 है, जिसमें 232 जनरल और 11 प्राइवेट बेड हैं। यहां पांच ऑपरेशन थिएटर हैं और करीब 26 से 30 आईसीयू बेड हैं। इसी तर्ज पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 2008 में ट्रॉमा सेंटर बनाया गया था। 6 मंजिला इस ट्रॉमा सेंटर में कुल 78 बेड्स हैं। इसमें तीन ऑपरेशन थिएटर, 11 आईसीयू बेड हैं। इन सभी ट्रॉमा सेंटर की तुलना में संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर काफी बड़ा है जो देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर होगा।

कांवड़ यात्रा के रूट पर नेम प्लेट... आदेश हम यूपी से पहले दे चुके : सीएम धामी

देहरादून। उत्तर प्रदेश के बाद अब उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा के रूट पर पड़ने वाली दुकानों और रेड़ियों पर नेम प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि किसी भी तरह के विवाद से बचने के लिए ये कदम उठाया गया है और उनके प्रदेश में ये फैसला पहले ही लिया जा चुका था। सीएम धामी ने कहा कि 22 जुलाई से उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा की शुरुआत होगी। हमारी सरकार ने 12 जुलाई को कांवड़ यात्रा को लेकर एक बैठक की थी, जिसमें नेम प्लेट लगाने को लेकर फैसला हुआ था। कुछ लोगों की तरफ से कहा गया था कि जो ठेले या दुकानें लगाते हैं, वह नाम और अपनी पहचान छिपाकर कारोबार करते हैं। इसलिए ये फैसला लिया गया।सीएम धामी ने कहा कि किसी को परेशान करने या टारगेट के लिए ऐसा नहीं हुआ है, बल्कि फैसले का मकसद यह है कि सभी की पहचान के बारे में पता हो। हरकी पैड़ी पर कई ऐसी घटनाएं भी आई हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अपने भाईचारे की वजह से जाना जाता है। हम सभी लोग यहां शांतिपूर्वक रहते हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर एपी अंशुमान ने कहा, कांवड़ियों की ओर से कई बार शिकायतें मिली हैं। इसके कारण विवाद की घटनाएं भी सामने आई हैं। कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए उत्तराखंड में प्रशासन द्वारा होटल, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों पर सत्यापन ड्राइव चलाया जा रहा है। इसलिए उन्हें अपने नाम की प्लेट लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि उनकी पहचान पता चल सके। ऐसा न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आतंकी घटनाओं के बीच सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी जम्मू कश्मीर दौरे पर

सुरक्षा स्थिति का लेंगे जायजा

श्री नगर (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए आज (20 जुलाई) जम्मू का दौरा करेंगे। उन्हें सुरक्षा बलों द्वारा कब्जे में लिए जा रहे क्षेत्रों के बारे में फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा जानकारी दी जाएगी। अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक भी होने की संभावना है। सेना प्रमुख का यह दौरा 16 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान कैप्टन ब्रिजेश थापा सहित चार भारतीय सेना के जवानों के शहीद होने के बाद होगा। यह सेना प्रमुख की जम्मू-कश्मीर की दूसरी यात्रा होगी। 3 जुलाई को उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए पुंछ-राजौरी सेक्टर का दौरा किया। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने 30 जून को भारतीय सेना की कमान संभाली थी। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू-कश्मीर राइफल्स से हैं और इस साल फरवरी से थल सेना के उप प्रमुख थे।

जम्मू क्षेत्र में उच्च प्रशिक्षित पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ को देखते हुए, भारतीय सेना खुफिया सूचनाओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुसार क्षेत्र में अपनी तैनाती को फिर से समायोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने भी क्षेत्र में अपने तंत्र को मजबूत किया है और आतंकवादियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं सहित आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने यहां पाकिस्तान की छद्म आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए पहले ही क्षेत्र में लगभग 3,500-4000 कर्मियों की एक ब्रिगेड सहित सेना ला दी है। उन्होंने बताया कि जमीन पर सेना के अधिकारी नवीनतम हथियारों और संचार उपकरणों से लैस आतंकवादियों की तलाश और उन्हें नष्ट करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए कैप्टन बृजेश थापा का पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में स्थित उनके पैतृक गांव में पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार को कैप्टन थापा (27) के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और इस दौरान बृजेश थापा अमर रहे के नारे चारों ओर गूंजते रहे। शहीद कैप्टन के पिता कर्नल भुवनेश के. थापा (सेवानिवृत्त) ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही सेना में शामिल होना चाहता था। सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि मुझे अपने पुत्र पर गर्व है। उसने अपना कर्तव्य निभाया।

यूपीएससी अध्यक्ष के इस्तीफे पर खड़गे का सवाल, इसे एक महीने तक गुप्त क्यों रखा गया, क्या कहीं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी के निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के बाद से राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने पूरे मामले को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या संघ लोक सेवा आयोग में चयन प्रक्रिया से जुड़े कई विवादों को देखते हुए उन्हें समय से पहले ही बाहर कर दिया गया। सोनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नीली आंखों वाला रत्न' बताते हुए कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि यूपीएससी अध्यक्ष के इस्तीफे को एक महीने तक गुप्त क्यों रखा गया?

क्स पर खड़गे ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) व्यवस्थित रूप से भारत के संवैधानिक निकायों के संस्थागत अधिग्रहण में शामिल हैं, 'जिससे उनकी प्रतिष्ठा, अखंडता और स्वायत्तता को नुकसान पहुंच रहा है!' उन्होंने कहा कि यूपीएससी को परेशान करने वाले कई घोटाले राष्ट्रीय चिंता का कारण हैं। पीएम मोदी और उनके कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री को सफाई देनी होगी। अयोग्य व्यक्तियों द्वारा फर्जी जाति और चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाने के कई मामलों से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने 'फुलप्रूफ' प्रणाली को धोखा दिया है।

उन्होंने कहा कि यह एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों सहित लाखों उम्मीदवारों की वास्तविक आकांक्षाओं का सीधा अपमान है, जो सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी में कड़ी मेहनत करते हैं, आधी रात को पसीना बहाते हैं। उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक है कि कैसे यूपीएससी अध्यक्ष ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पांच साल पहले ही इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा एक महीने तक गुप्त क्यों रखा गया? क्या इतने सारे घोटालों और इस्तीफ़े के बीच कोई संबंध है?

कांवड़ मार्गों पर 'नेमप्लेट' को लेकर कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल, गिरिराज सिंह ने याद दिलाया मनमोहन सिंह का दौर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर 'नेमप्लेट' लगाने के निर्देश पर केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने कहा कि यह राज्य सरकार का मामला है, राज्य सरकार अगर तत्कालीन कोई विज्ञप्ति निकालती है तो सभी को मानना होता है। सांसद कपिल सिब्बल के बयान पर उन्होंने ने कहा कि मनमोहन सिंह किस पार्टी के प्रधानमंत्री थे और उनके आदेश क्या रहें? उन दिनों के ऑर्डर देखें तो लिखा गया है कि नेमप्लेट लिखा होना चाहिए। कपिल सिब्बल मनमोहन सिंह जी के इस आदेश को देख लें।

बता दें कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि कांवड़ यात्रा पर जो राजनीति हो रही है, वह हमें विकसित भारत की ओर नहीं ले जाएगी। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्रियों को ऐसे मुद्दे जिसका मकसद केवल राजनीति है, उन्हें नहीं उठाना चाहिए। आम आदमी का इन मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है...मैं खासतौर पर यूपी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगा कि इसे रोकें। कांवड़ यात्रा पहले भी होती रही है...जो लोग यात्रा पर जाते हैं, सब जानते हैं कि कहां खाना है और कहां नहीं खाना है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हर दुकान पर अगर दुकानदार अपना नाम लिखकर रखेंगे तो इसमें हर्ज क्या है, इसे धार्मिक दृष्टिकोण से क्यों देख रहे हैं... कई बार हम किसी दुकान पर जाते हैं और उसे खोजते हैं तो दुकान के नाम से हमें उसे खोजने में आसानी होती है।

उत्तर प्रदेश केमुख्यमंत्री ने प्रयागराज महाकुम्भ-2025 को भव्य रूप से आयोजित किए जाने के सम्बंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय।

प्रयागराज मे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को सर्किट हाउस के सभागार में महाकुम्भ-2025 को स्वच्छ, सुरक्षित, ग्रीन, दिव्य एवं भव्य रूप से आयोजित किए जाने के सम्बंध में की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के अधिकारियों को अपने कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ अनिवार्य रूप से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है मुख्यमंत्री ने बैठक में सभी विभागों के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरण आनन्द के द्वारा मुख्यमंत्री को महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत विभागों के द्वारा कराये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी

मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट के पास माफियाओं से मुक्त करायी गयी जमीन पर मथुरा में बने कृष्णा कुटीर की भांति बेहतरीन महिला संरक्षण गृह बनाये जाने का प्रस्ताव बनाकर भेजे जाने के लिए कहा है, जिसमें वृद्ध व निराश्रित महिलाओं के साथ-साथ वे बच्चियां जो पारिवारिक प्रताड़ना व अन्य कारणों से घर से निकल व बिछड़ जाती है, वे वहां रह सके व उन्हें स्वरोजगार का अवसर भी प्राप्त हो सके उन्होंने कहा कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण के द्वारा माफियाओं से मुक्त जमीनों पर गरीबों के लिए आवास बनाये गये थे, उसी प्रकार माफियाओं से मुक्त जमीन पर गरीबों के लिए और आवास बनाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है।

मुख्यमंत्री ने नगर निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि शहर के अंदर प्रचार हेतु लगाये गये होर्डिंग के स्थान पर नगर निगम के द्वारा या पीपीपी मोड पर डिस्प्ले बोर्ड लगाये जाये, जिससे एक ही डिस्प्ले बोर्ड पर कई विज्ञापन एक साथ प्रसारित किए जा सकेंगे उन्होंने कहा कि मुम्बई व लखनऊ की घटना से हमें सबक लेते हुए घरों के ऊपर जो बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हुए है, उन्हें हटाने की कार्यवाही की जाये कुम्भ-2019 में मेला क्षेत्र व शहर के अंदर साइनेजेज् लगाये गये थे, इस बार उन्हें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी लगाये जाने के लिए कहा है उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में जिस क्षेत्र में नेपाली, तमिल सहित अन्य स्थानों के लोगो की आने की ज्यादा सम्भावना रहती है, वहां पर अन्य भाषाओं के साथ-साथ उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में साइनेजेज् लगाये जाये उन्होंने मेला क्षेत्र के साथ-साथ शहर में भी जनसुविधाएं बढ़ाने एवं पार्किंग स्थलों व स्टेशनों के आस-पास भी अच्छे टॉयलेट, रैनबसेरे, लोगो के बैठने व रूकने के लिए उत्तम व्यवस्थायें एवं सुविधाएं देने के लिए निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कुम्भ स्वच्छ होगा, तो वही स्वच्छ कुम्भ ही सुरक्षित कुम्भ में बदलेगा और हमें फिर से स्वच्छता, सुरक्षा व सुव्यवस्था का एक नया मॉडल देखने को मिलेगा और तभी यह भव्य, दिव्य कुम्भ के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त करेगा।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत प्रयागराज उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एव सभापति विधान परिषद ने आजाद पार्क में पौधारोपण किया

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत शनिवार को जनपद में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव ने बताया कि शनिवार को पूरे जनपद में कुल 75,16,369 पौधों का रोपण किया गया है उन्होंने यह भी बताया है कि जुलाई एवं अगस्त माह में भी वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलता रहेगा, जिसमें शेष बचे हुए पौधरोपण के लक्ष्य को पूरा कर लिया जायेगा।

इस अवसर पर सभापति, विधान परिषद उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेन्द्र सिंह शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क पहुंचकर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात उन्होंने पौधरोपण भी किया। वृहद वृक्षारोपण के तहत मुख्य कार्यक्रम शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्वप्रथम शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए नमन किया तत्पश्चात उपमुख्यमंत्री ने हरिशंकरी के पौधे का रोपण किया। वृहद वृक्षारोपण के इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने वहां पर उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम यह प्रण लें कि हम एक पेड़ मां गंगा के नाम, एक पेड़ मां यमुना के नाम, एक पेड़ मां सरस्वती के नाम, एक पेड़ धरती मां के नाम और एक पेड़ अपनी मां के नाम लगायेंगे और उसका संरक्षण भी करेंगे उन्होंने कहा कि आज हम सबके सामने वन और जल को बचाने की चुनौती है, अगर हमें आने वाली पीढ़ियों को बचाना है, तो हमें पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर रखना होगा, जिसके लिए हमें बड़े पैमाने पर पौधरोपण करना होगा कहा कि पौधों का रोपण महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल करना महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि ये पेड़ हमारे जीवन के लिए संजीवनी के समान है और हमारे प्राणदाता है हम सबकों मिलकर समाज व परिवेश को सुंदर बनाना है इसलिए हम आज यह संकल्प लें कि पौधरोपण के साथ ही उसका संरक्षण भी अवश्य करेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार इतने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर वन क्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास कर रही है, जिसमें आप सभी लोगो के जनसहभागिता की विशेष आवश्यकता होगी उन्होंने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को जनआंदोलन के रूप में लेने के लिए लोगो से अपील की

इस अवसर पर महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधान परिषद सदस्य श्री सुरेन्द्र चौधरी, श्रीमती निर्मला पासवान, महानगर अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल व अन्य जनप्रतिनिधिगणों के साथ प्रमुख सचिव एम0 देवराज, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, प्रभारी जिलाधिकारी गौरव कुमार, मुख्य वन संरक्षक शेष नारायण मिश्रा, अपर प्रधान मुख्य संरक्षक सुजॉय बनर्जी, पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक के0पी0 दुबे, प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव के द्वारा भी इसी स्थान पर पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया इस अवसर पर अन्य अधिकारीगणों के अलावा जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बच्चे भी उपस्थित रहे।

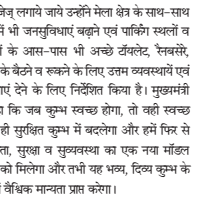

रुस में अमेरिकी पत्रकार को 16 साल की सजा

येकातेरिनबर्ग। रूसी अदालत ने अमेरिकी पत्रकार इवान गेर्शकोविच को जासूसी के मामले में दोषी ठहराते हुए 16 साल के कारावास की सजा सुनाई। गेर्शकोविच के नियोक्ता और अमेरिका ने पूरी प्रक्रिया को पाखंड बताकर आरोपों को खारिज किया है। यह फैसला रूस और अमेरिका के बीच संभवत- कैदियों की अदला-बदली का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्रीय न्यायालय में फैसला सुनाने के दौरान गेर्शकोविच कठघरे में शांत खड़े थे। जब न्यायाधीश आंद्रेई माइनेयेव ने पूछा कि क्या फैसले को लेकर उनके मन में कोई सवाल है, उन्होंने जवाब दिया, नहीं, माननीय। गेर्शकोविच (32) को मार्च 2023 में रिपोर्टिंग यात्रा के दौरान हिरासत में लिया गया था और उन पर अमेरिका के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। वह तभी से सलाखों के पीछे हैं। शीतयुद्ध के चरम पर होने के दौरान 1986 में निकोलस डेनिलॉफ की गिरफ्तारी के बाद गेर्शकोविच जासूसी के आरोप में हिरासत में लिए गए पहले अमेरिकी पत्रकार हैं। इस फैसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने कहा कि गेर्शकोविच को रूसी सरकार ने इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वह एक पत्रकार और एक अमेरिकी हैं।

पीएम मोदी की लोकप्रियता पर एलन मस्क ने दी बधाई

न्यूयॉर्क। पीएम नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर पूरे होने पर टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने उन्हे बधाई दी है। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बनने पर बधाई। बता दें कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स अकाउंट पर 10 करोड़ से अधिक फॉलोअर हो गए हैं। इसके बाद उनकी इस पोस्ट पर लोगों ने भी रिएक्ट किया। लोगों ने मस्क की पोस्ट के नीचे कमेंट में प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। एक दो यूजर ने तो प्रधानमंत्री की एक्स प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट भी साझा किया है। कुछ ने इसे इंडिया गठबंधन से जोड़ते हुए तंज कसा। एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर होने पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा था कि एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर। इस जीवंत माध्यम पर आकर और चर्चा, बहस, अंतर्दृष्टि, लोगों के आशीर्वाद, रचनात्मक आलोचना तथा बहुत कुछ का हिस्सा बनकर खुश हूं। भविष्य में भी इसी प्रकार से लोगों से जुड़े रहने को उत्सुक हूं।

कोरोना ने फिर मचाया कोहराम, अस्पतालों में लगा मरीजों का तांता

-संक्रामक कोरोनावायरस वैरिएंट से जूझ रहा जापान

टोक्यो। जापान में एक बार फिर कोरोना के बढ़ते केस ने लोगों को डरा दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जापान एक नए और अत्याधिक संक्रामक कोरोनावायरस वैरिएंट से जूझ रहा है। जो देश में कोविड-19 संक्रमण की 11वीं लहर को हवा दे रहा है। जापान संक्रामक रोग एसोसिएशन के अध्यक्ष काजुहिरो टेटेडा के अनुसार जापान में कपी 3 वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। यहां तक कि उन लोगों में भी जो वैक्सीन लगवा चुके हैं या पिछले संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। उन्होंने ने बताया कि दुर्भाग्य से, वायरस हर बार अलग रूप में बदलने पर अधिक खतरनाक और प्रतिरोधी बन जाती है। वैक्सीनेशन के बाद लोग अपनी इम्यूनिटी बहुत जल्दी खो देते हैं, इसलिए उनमें वायरस के प्रति बहुत कम या कोई प्रतिरोध नहीं होता है। साल 2020 की शुरुआत में जापान में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद से,

पूर्वी एशियाई देश में कुल 34 मिलियन संक्रमण और लगभग 75,000 संबंधित मौतें दर्ज की गई है। देश का कोविड-19 केस लोड 5 अगस्त, 2022 को चरम पर था, जब 253,000 से अधिक लोग इलाज प्राप्त कर रहे थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ जैसे हाई-प्रोफाइल अमेरिकी लोगों का हाल ही में कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है और वे आइसोलेशन में चले गए हैं। इस बीच, चल रही टूर डी फ्रांस साइकिलिंग रेस में कई राइडर्स के भी कोरोना टेस्ट के नतीजे पॉजिटिव आए हैं। महामारी की शुरुआत में गठित जापान के सलाहकार पैनल में शामिल टेटेडा ने कहा कि आने वाले सप्ताह महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि अधिकारी वैरिएंट के प्रसार और प्रभाव की निगरानी करेंगे। इधर अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों के दाखिले में तेज वृद्धि हो रही है। टेटेडा ने कहा कि उन्हें 'इस बात से राहत मिली है कि इनमें से कई मामले गंभीर नहीं हैं। केपी 3 वैरिएंट के विशिष्ट लक्षणों में तेज बुखार, गले में खराश, गंध और स्वाद का नुकसान, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जापान भर में चिकित्सा सुविधाओं में पिछले सप्ताह की तुलना में 1 से 7 जुलाई तक संक्रमण में 1.39 गुना या 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओकिनावा प्रान्त वायरस के नए स्ट्रेन से सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ है, जहां अस्पतालों में प्रतिदिन औसतन लगभग 30 संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। स्थानीय खबरों के अनुसार, केपी 3 वैरिएंट ने देश भर में कोविड-19 के 90 प्रतिशत से ज़्यादा मामलों को जन्म दिया है, जिसके कारण चिकित्सा सुविधाओं में बेडों की कमी के बारे में फिर से चिंताएं पैदा हो गई हैं।

चीन में लड़कियों को नौकरी देने से पहले करवा रहे प्रेग्नेंसी टेस्ट, एक दो नहीं, कई कंपनियां ने ऐसा किया

बीजिंग। चीन में एक अनोखा खेल चल रहा है। वहां कंपनियां लड़कियों को नौकरी देने से पहले प्रेग्नेंसी टेस्ट करा रही हैं। उनका फिजिकल टेस्ट लिया जा रहा है। एक दो नहीं, कई कंपनियां ने ऐसा किया और जब सरकार के पास इसकी शिकायत पहुंची तो तुरंत जांच बिठा दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन की सरकारी मीडिया ने बताया कि 20 से ज्यादा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। उन्हें नोटिस भेजकर पूछा गया है कि ऐसा क्यों किया? अब तक की जांच में पता चला है कि चीन के पूर्वी प्रांत जियांग्सू में 16 कंपनियों ने ऐसा आदेश जारी किया। इन कंपनियों में जॉब के लिए आवेदन करने वाली 168 महिलाओं को प्रेग्नेंसी टेस्ट देने के लिए कहा गया।

इतना ही नहीं, उनका फिजिकल टेस्ट भी किया गया। सरकार इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने जा रही है। जांच कर रहे अधिकारियों के मुताबिक, कुछ कंपनियां प्रेग्नेंट महिलाओं को नौकरी नहीं देना चाहतीं। इसलिए वे इंटरव्यू के समय ही उनका प्रेग्नेंसी टेस्ट कर रही हैं। ऐसी भी रिपोर्ट हैं कि महिलाओं से पूछा जा रहा कि वे बच्चे तो पैदा नहीं करेंगी। उनका बच्चे पैदा करने की क्या योजना है। ज्यादातर ऐसी महिलाओं को नौकरी पर रखा जा रहा है, जो बच्चे पैदा करने से इनकार करती हैं। चीन के कानून के मुताबिक, नौकरी देने के लिए किसी का प्रेग्नेंसी टेस्ट करना कानूनी तौर पर अपराध है। इससे श्रमिकों के साथ भेदभाव होता है। जिन फर्मों की जांच की गई, उसमें दो प्रमुख पब्लिक हॉस्पिटल, एक हेल्थ सेंटर भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई महिलाओं को सिर्फ इस वजह से नौकरी नहीं दी गई कि वे प्रेग्नेंट थीं। रिपोर्ट में किसी कंपनी का नाम नहीं बताया गया है। इसकी भी जानकारी नहीं दी गई है कि उन पर कतना जुर्माना लगाया गया। लेकिन चीन के कानून के मुताबिक, अगर कोई फर्म ऐसा करती हुई पाई गई तो उस पर 60 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। बता दें कि जॉब इंटरव्यू के समय कंपनियां कई तरह से टेस्ट करती हैं। कई तरह के सवाल पूछती हैं। उनका मकसद इंटरव्यू के बारे में अच्छे से पता करना होता है।

खींची गई इस हैंडआउट तस्वीर में सिंगापुर के पेड्रा ब्रांका द्वीप से लगभग 55 किमी (34 मील) उत्तर पूर्व में दो तेल टैंकरों में आग लगने के बाद जलते हुए जहाजों के आसपास नाव दिख रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने लोगों, संस्थाओं को प्रतिबंध सूची से बाहर करने के लिए अधिक पारदर्शी प्रक्रियाओं को मंजूरी दी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उन सैकड़ों व्यक्तियों, कंपनियों और अन्य संस्थाओं के लिए अधिक पारदर्शी प्रक्रियाओं को शुक्रवार को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी जो संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के अधीन हैं और काली सूची से बाहर आना चाहते हैं। माल्टा और अमेरिका

द्वारा सह-प्रायोजित इस प्रस्ताव के जरिये सुरक्षा परिषद द्वारा संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों की प्रभावशीलता में सुधार के तरीकों की जांच करने के लिए एक नया अनौपचारिक कार्य समूह बनाया जा सकेगा। माल्टा की संयुक्त राष्ट्र राजदूत वैनेसा फेजियर ने मतदान से पहले परिषद को बताया कि यह प्रस्ताव ''उचित प्रक्रिया के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत है।'' अमेरिकी उप राजदूत रॉबर्ट वुड ने मतदान के बाद परिषद की सर्वसम्मति से मंजूरी को ''एक ऐतिहासिक क्षण'' बताया और कहा कि सूची से बाहर करने संबंधी प्रक्रिया 18 वर्ष से नहीं बदली है। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता जैसे मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है।'' वुड ने कहा कि सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध शांति और सुरक्षा के लिए खतरों को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिबंधों के जरिये आतंकवाद का मुकाबला करने में मदद मिलती है और मानवाधिकारों के हनन को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अनिश्चितकालीन और दंडात्मक प्रतिबंधों के खिलाफ है, तथा जब आवश्यक हो तो प्रतिबंधों को हटाने और कम करने का समर्थन करता है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलांस्की ने कहा कि सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों को अत्यधिक सावधानी से लागू किया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वेंस 'दाढ़ी बाधा' को तोड़ने में रहे कामयाब

-91 सालों बाद कोई दाडी वाला शख्स बनेगा राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दाढ़ी रखने वालों को सख्त नापसंद करते हैं, यह बात सभी जानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की दाढ़ी-मूंछ रखने वालों के प्रति उनकी नापसंदगी इतनी ज्यादा है कि 2016 में राष्ट्रपति बनने के बाद अपने प्रशासननिक अमले का चयन करते समय उन्होंने एक शख्स को निगेटिव माना था, क्योंकि वह दाढ़ी रखते थे।

उनकी नापसंदगी इस हद तक है कि जब सीनेटर जेडी वेंस (आर-ओहियो) को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने की सूचना मिली, तो पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या उनको दाढ़ी रखने वाले इस तेजतर्रार सीनेटर से कोई दिक्कत नहीं है। जब रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को वेंस को अपने साथी के रूप में घोषित किया, तो यह सिर्फ उनके लिए एक बड़ा कदम नहीं था। यह अमेरिका के लिए भी एक बड़ा कदम था, जहां दशकों से दाढ़ी-मूंछ रखने वाला कोई उपराष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं था। आखिरी व्यक्ति मूंछों वाले चार्ल्स कर्टिस थे, जो 1932 में हर्बर्ट हूवर के साथ रिपब्लिकन टिकट पर उपराष्ट्रपति बने थे। रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस इस 'दाढ़ी बाधा' को तोड़ने में भी कामयाब रहे। दूसरे शब्दों में कहें तो वह देश में सर्वोच्च पद के लिए केवल साफ-सुथरे चेहरे वाले राजनेताओं के लंबे समय से चले आ रहे मानदंड को तोड़ने में कामयाब रहे। ट्रंप ने एक रेडियो को बताया कि उन्हें लगता है कि

उनका साथी दाढ़ी के साथ अच्छा दिखता है, 'एक युवा अब्राहम लिंकन की तरह।' यानी वेंस की उम्मीदवारी दाढ़ी वाले राजनेताओं की एक सदी पुरानी परंपरा की वापसी का संकेत है।

फेशियल हेयर निश्चित रूप से ओवल ऑफिस के लिए कोई नई बात नहीं हैं। हालांकि इसे लंबे समय से गैर-पेशेवर और बेतरतीब माना जाता रहा है। लेकिन निश्चित रूप से पिछले लगभग 15 वर्षों में, उस तरह के अधिक कठोर, अधिक मर्दाना दिखने वाले चेहरों की वापसी हुई है। जॉर्ज वॉशिंगटन के युग में बालों वाले चेहरों की निंदा की जाती थी। गृहयुद्ध के साथ-साथ घनी दाढ़ी रखने का चलन भी शुरू हो गया - जो 20वीं सदी की शुरुआत में खत्म होने लगा। कांग्रेस की लाइब्रेरी के रिकॉर्ड के साथ-साथ राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति के चित्रों पर एक नजर डालने से, सौंदर्य के बदलते रुझान का पता चलता है। चेहरे पर बाल रखने वाले पहले राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन थे। लिंकन के बाद, अगले 11 राष्ट्रपतियों में से नौ ने किसी न किसी प्रकार की दाढ़ी या मूंछे रखी। यह सिलसिला जो विलियम हॉवर्ड टैफ्ट के साथ समाप्त हुआ, जो 1909 से 1913 तक राष्ट्रपति थे।उपराष्ट्रपतियों ने भी कुछ हद तक इसका अनुसरण किया।

चेहरे पर बाल रखने वाले पहले व्यक्ति शूयलर कोलफैक्स थे। कोलफैक्स 1869 से 1873 तक 17वें उपराष्ट्रपति रहे। अगले 14 चुनावों में चेहरे पर बाल वाले सात पुरुष उपराष्ट्रपति बने। उसके बाद से उपराष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार के चेहरे पर बाल नहीं थे। केवल राष्ट्रपति पद के दो उम्मीदवारों के चेहरे पर बाल थे-1916 में चार्ल्स इवांस ह्यूजेस और 1944 और 1948 में थॉमस ई डेवी। लेकिन दोनों रिपब्लिकन चुनाव हार गए।हेयर कटिंग के एक्सपर्ट कॉनराड ने कहा कि वेंस की दाढ़ी इस बात को रेखांकित करती है कि लोग चेहरे के बालों के पक्ष में कैसे वापस आ गये हैं। उन्होंने कहा कि आज एक अच्छी तरह से रखी गई दाढ़ी आत्मविश्वास बढ़ाने का काम कर सकती है। भले ही पहले दाढ़ी रखने वालों को हिप्पी या युप्पी के रूप में देखा जाता था या फूहड़ लोगों के लिए देखा जाता था। कॉनराड की नजरों में वेंस की दाढ़ी उन्हें मेच्योर बनाती है।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जब 2016 में प्रसिद्धि की सीढ़ियां चढ़ रहे थे तब उनका चेहरा सौम्य था और उनकी शक्ल बचकानी लगती थी। 2022 में सीनेट का चुनाव लड़ते समय तक वह पूरी दाढ़ी रखने लगे थे। यानी वह सालों से दाढ़ी रख रहे हैं। यानी दाढ़ी लंबे समय से लोगों के आकर्षण का केंद्र रही है। लोग डोनाल्ड ट्रंप के भरोसेमंद सहयोगियों में से एक वेंस को परिवर्तन के संकेत के रूप में देख रहे हैं। यहां तक कि वेंस के लॉ स्कूल के एक दोस्त ने कहा कि उनका नया लुक ज्यादा ध्यान आकर्षित करता है। दोस्त ने कहा, ÷वह अलग दिखते हैं।÷ बता दें कि कपड़ों और सजने संवरने में अपनी नफासत को लेकर सजग डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से कहा था कि वह अपनी दाढ़ी को त्याग दें।

रूस और यूक्रेन युद्ध में दोनों को टैंकों को नुकसान

मॉस्को (एजेंसी)। युद्ध में कई महाविनाशक हथियार इस्तेमाल होते हैं। कभी कहा जाता था कि जिसके पास टैंक होगा वहां युद्ध को जीत सकता है। लेकिन रूस और यूक्रेन के युद्ध ने इस धारणा को बदल दिया है। रूसी सेना ने कथित तौर पर 100 टी-90 मेन बैटल टैंक (एमबीटी) खो दिए हैं। इतने बड़े पैमाने पर टैंकों को खोना रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए अपमानजनक हो सकता है, जिन्हें वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहते हैं। लेकिन इस युद्ध में सिर्फ रूस ही नहीं यूक्रेन को अमेरिका की ओर से दिए गए टैंकों को भी नुकसान हुआ है। ओरिक्स डेटाबेस के मुताबिक टी-90 एम टैंकों ने 100 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। टैंकों को होने वाले बड़े नुकसान का कारण ड्रोन का युद्ध में आना है। यूक्रेनी बल फर्स्ट-पर्सन व्यू ड्रोन का इस्तेमाल करता है। हमला करने वाले ड्रोन सरल और आसानी से उपलब्ध हैं। इन सभी हमला करने वाले ड्रोन को बेहतर नियंत्रण के लिए ऑपरेटर की आंखों और माथे पर लगे वर्चुअल रियलिटी स्क्रीन के जरिए नियंत्रित किया जाता है। हाल के महीनों ने यूक्रेन ने रूस के जिन टैंकों को नष्ट किया है,उसमें से दो तिहाई से ज्यादा को ड्रोन के उपयोग से नष्ट किया गया है।

रूस ने कुछ टी-90 एम को टैंक-विरोधी हथियारों और ड्रोन से बचाने के लिए स्टील के पिंजरे लगाए हैं। हालांकि कई वीडियो फुटेज दिखाते हैं कि यह हमेशा प्रभावी नहीं होते। हालांकि दूसरी तरह यूक्रेन के टैंक भी ड्रोन हमलों में तबाह हुए हैं। जर्मन लियोपार्ड-2 और अमेरिकी अब्राम सहित कुछ बेहतरीन पश्चिमी हथियारों को रूस ने तबाह किया है। एक यूक्रेनी कमांडर ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अब्राम को बचाने के लिए अधिक आर्मर की जरूरत है।

नेपाल संसद में कल शक्ति परीक्षण के दौरान तीन विपक्षी दल ओली के खिलाफ मतदान करेंगे

काठमांडू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले केपी शर्मा ओली के रविवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने की परीक्षा में खरा उतरने से पहले ही तीन राजनीतिक दलों ने उनके खिलाफ मतदान करने की घोषणा की है जिनमें वह पार्टी भी शामिल है जिससे उन्होंने नाता तोड़ लिया है। ओली ने पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' के स्थान पर नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। प्रचंड पिछले हफ्ते प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे थे क्योंकि ओली की 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी' (सीपीएन-यूएमएल) ने समर्थन वापस लेकर नेपाली कांग्रेस (एनसी) और अन्य दलों से हाथ मिला लिया था। एनसी संसद में सबसे बड़ी पार्टी है। सोमवार को चौथी बार हिमालयी राष्ट्र के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले 72 वर्षीय वरिष्ठ वामपंथी नेता ओली रविवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने का प्रयास करेंगे। लेकिन इसके पहले ही प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी), और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड सोशलिस्ट (सीपीएन-यूएस) ने शुक्रवार को एक संयुक्त बैठक करके विश्वास मत के दौरान ओली का समर्थन नहीं करने का फैसला किया। 'काठमांडू पोस्ट' अखबार ने प्रचंड के निजी सचिव रमेश मल्ल के हवाले से कहा, ''प्रचंड, आरएसपी अध्यक्ष रबी लामिछाने और यूनिफाइड सोशलिस्ट के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल ने सिंह दरबार में चर्चा के बाद निर्णय लिया।'' नेपाल को लगातार राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है क्योंकि गणतांत्रिक प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले 16 सालों में देश ने 14 सरकारें देखी हैं।

आरक्षण को लेकर हुई हिंसा में जेल पर हुआ हमला, सैकड़ों कैदियों का कराया रिहा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली को लेकर घातक झड़पों के बाद शेख हसीना की सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैन्य बलों की तैनाती के आदेश दिए है। शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने नरसिंगडी में एक जेल पर हमला कर दिया और सैकड़ों कैदियों को रिहा करा लिया था। यह घोषणा सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबैदुल क़ादर ने की और पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने और राजधानी में सभी सभाओं पर प्रतिबंध लगाने के बाद यह घोषणा की गई थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बांग्लादेश में पिछले दिनों हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या अब तक 105 हो गई है। सेना को नागरिक प्रशासन को व्यवस्था

बनाए रखने में मदद करने के लिए तैनात किया गया है।

राष्ट्रव्यापी आंदोलन जो इस साल की शुरुआत में पीएम शेख हसीना के दोबारा चुने जाने के बाद सबसे बड़ा आंदोलन था, इसमें पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां और आंसू गैस छोड़ी, जबकि शुक्रवार को राजधानी में सभी समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पिछले दिनों बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने टीवी नेटवर्क के मुख्यालय समेत कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया था, जिससे कई लोग इमारतों में फंस गए थे।

इस बीच करीब 245 भारतीय नागरिक पूर्वोत्तर में सीमा बिंदुओं को पार कर घर लौट आए क्योंकि तीन सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शन इस सप्ताह तेज हो गया है। टीवी पर राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम शेख हसीना ने छात्रों को शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए बातचीत के लिए आमंत्रित किया। हालाँकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह साफ नहीं है कि छात्र सरकार के प्रस्ताव को मानेंगे या नहीं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश का आंतरिक मामला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में बांग्लादेश में रह रहे 8,500 छात्रों समेत 15,000 भारतीय सुरक्षित हैं। सरकार ने 125 छात्रों समेकत 245 भारतीयों की वापसी की सुविधा प्रदान की है।

यूक्रेन बना सकता है पुतिन के बेडरूम को निशाना? एयर डिफेंस सिस्टम तैनात

मास्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग दिन ब दिन और भड़कती जा रही है। नाटो देशों की मदद से यूक्रेन के हौसले बुलंद हैं। अब यूक्रेन ने रूस पर हमले करना शुरू कर दिए हैं। जेलेंस्की ने ड्रोन अटैक किए हैं। पुतिन का बेडरूम भी जेलेंस्की के निशाने पर है? यूक्रेन अब रूस के अंदर तक टारगेट को ध्वस्त कर सकता है। यही वजह है कि पुतिन के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गर्मियों के दिनों में जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रहते हैं, उस घर के बाहर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया गया है। रूस के अंदर तक निशाना बनाने में यूक्रेन की बढ़ती ताकत के बीच रूस ने पुतिन के मॉस्को के नॉर्थ में स्थित घर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि नोवगोरोड इलाके में लेक वल्दाई पर स्थित रुसी राष्ट्रपति पुतिन के घर के आसपास कई पैंटिर-एस1 एयर डिफेंस सिस्टम्स तैनात कर दिए गए हैं। वल्दाई स्थित पुतिन का घर यूक्रेन के लिए हाई-प्रोफाइल टारगेट हो सकता है। यह घर पुतिन का खास ठिकाना है। पुतिन गर्मियों के दौरान इस घर में ही समय बिताते हैं। पुतिन का यह आलीशान घर वल्दाई नेशनल पार्क में एक बड़े सरकारी वेकेशन रिसोर्ट के अंदर है। यह दो झीलों के बीच एक टापू जैसा है। इस घर की सुरक्षा बहुत कड़ी रहती है। 40 हेक्टेयर में फैला यह इलाका तीन तरफ से पानी से घिरा है। पुतिन के घर बाहर तैनात ये एयर डिफेंस सिस्टम काफी लेटेस्ट और हाईटेक हैं। सैटेलाइट तस्वीरें बता रहीं हैं कि पिछले साल सितंबर और इस साल मई के बीच रूस में बने पैंट्सिर-एस1 एयर डिफेंस सिस्टम को पुतिन के समर वकेशन वाले घर के बाहर तैनात किया गया है। रूस की तरफ से यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब यूक्रेन ने रूस के अंदरूनी इलाकों में हमला करने वाले ड्रोन का इस्तेमाल करने में महारत हासिल कर ली है। रूस को यह डर सता रहा है कि यूक्रेन अपने ड्रोन और मिसाइल से पुतिन के उस घर को निशाना बना सकता है।

सैटेलाइट तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि इस इलाके में कई जगहों पर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात हैं। यहां तक कि परिसर से कुछ ही किलोमीटर दूर जंगल में एक ऊंचे टावर पर भी एयर डिफेंस लगा है। दरअसल, रूस के एयर डिफेंस सिस्टम पैंटसिर-एस1 सिस्टम को छोटी दूरी की क्रूज मिसाइलों और ड्रोन से निपटने के लिए बनाया गया है। इससे यह अंदाजा लगाया

जा रहा है कि पुतिन के घर के पास इन्हें तैनात करने का मकसद यूक्रेन के बढ़ते ड्रोन हमलों का जवाब है। बता दें कि रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा हो गए हैं। इस जंग में यूक्रेन के नहीं रूस को भी काफी नुकसान हुआ है।

संपादकीय

साइबर संकट

एक दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी ने लगभग पूरी दुनिया को जिस तरह से प्रभावित किया है, वह न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक है। इसे एक आधुनिक आईटी संकट कहा जा सकता है, जिसने दुनिया भर में न सिर्फ साइबर आधारित कामकाज को प्रभावित किया, बल्कि बड़े पैमाने पर इससे परिवहन भी बाधित हुआ है। इस वजह से दुनिया को कितना नुकसान हुआ है, इसका हिसाब लगाने में अभी समय लगेगा। नुकसान का एक पहलू हवाई सेवा के नजरिये से देखा जा सकता है। एविएशन एनालिटिक्स कंपनी सिरियम के अनुसार, वैश्विक आईटी संकट या आउटेज के कारण 1,390 उड़ानें तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गईं। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में 512, जर्मनी में 92, भारत में 56, इटली में 45 और कनाडा में 21 उड़ानें रद्द कर दी गईं। टिकट लेने से रद्द कराने और रिफंड लेने तक यात्रियों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ी। अमेरिका समेत कई देशों में तो रेल यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। यह संकट इतना व्यापक है कि स्थिति के सामान्य होने में अभी कुछ समय लग सकता है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि वह मध्य अमेरिकी क्षेत्र में अपनी सेवाओं की जांच कर रहा है, जिनकी वजह से दुनिया भर में अनेक प्रकार की सेवाएं बाधित हुई हैं। इस संकट से सर्वाधिक प्रभावित देशों में ऑस्ट्रेलिया का नाम सबसे पहले लिया जा रहा है, तो इस तथ्य को परखना चाहिए, हर देश को अपने-अपने स्तर पर अपने नुकसान का सही आकलन करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया से ही शायद सबसे पहले कंप्यूटर सिस्टम के काम न करने की शिकायतें सामने आईं। वहां बैंक, एयरलाइन्स, मीडिया प्रसारण तक रुक गया। कई संस्थान ऑफलाइन काम करने को मजबूर हो गए। अभी तक की सूचनाएं यही इशारा करती हैं कि माइक्रोसॉफ्ट संबंधी इस संकट के पीछे एक साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक का हाथ है। कोई ऐसा अपडेट किया जा रहा था, जो बुनियादी रूप से वैश्विक साइबर तंत्र के अनुरूप नहीं था। यह कोई साइबर हमला नहीं था, बल्कि सेवा में कुछ अपडेट करने के चक्कर में यह महासंकट खड़ा हो गया। जिम्मेदार कंपनियां इस संकट के लिए तैयार नहीं थीं, तो जाहिर है, साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक के साथ ही माइक्रोसॉफ्ट को भी आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ेगा। विकसित देशों में अनेक कंपनियां इस संकट की भरपाई या मुआवजा मांगेंगी। वाकई, यह एक ऐसा संकट है, जिसे उदारता बरतते हुए भुला देना आने वाले समय के लिए बहुत भारी पड़ सकता है। यदि इरादतन कोई अपराध नहीं हुआ है, तब भी जो लापरवाही या उदासीनता बरती गई है, उसका माकूल हिसाब होना चाहिए। हालांकि, इसमें कोई दोराय नहीं कि माइक्रोसॉफ्ट अपने पैमाने पर सक्रिय होगी और फिर ऐसी कोई नौबत नहीं आएगी, पर यह दुनिया की तमाम सरकारों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए जागने व तैयार होने का समय है। ध्यान रहे, ऐसे संकट से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और वे अपनी साजिश में ऐसी कमियों का लाभ उठाने का दुस्साहस कर सकते हैं। अभी तक डार्क वेब दुनिया में यह बात पता चल चुकी होगी कि इस संकट को कैसे अंजाम दिया गया और अर्थव्यवस्था या सेवा का कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हुआ। अतः साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए चुनौती बहुत बढ़ गई है। सरकारों को भी नए सिरे से प्रबंध करना चाहिए, ताकि बड़ी आईटी कंपनियां अपने आर्थिक लाभ के लिए साइबर सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न करने पाएं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। स्थानान्तरण या परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

केवल परमात्मा ही आदि गुरु!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(गुरु पूर्णिमा पर विशेष)

जीवन पथ को सुगम बनाने के लिए गुरु आवश्यक है।जो मार्गदर्शक बन सके।हमें हमारी पहचान करा सके।हम कौन है,कहां से आए है,हमें कहां जाना है?इन सभी जिज्ञासाओं को शांत करने का माध्यम गुरु ही हो सकते है।मानव शरीर में हर मनुष्य को किसी सदपुरुष को गुरु रूप में मानने की परंपरा है।भक्ति मार्ग में भी किसी सिद्ध पुरुष, ऋषि,संत, महात्मा, ज्ञानी को गुरु बनाने का चलन है। ज्ञान मार्ग या फिर रूहानियत की दृष्टि से देखे तो सर्व प्राणियों का परमात्मा ही गुरु है,वही परमपिता है और वही हमारा शिक्षक भी है। गुरू शब्द का शाब्दिक अर्थ भारी कहा गया है।अर्थात जो अपने से श्रेष्ठ हो, अपनी तपस्या से जो सिद्ध कर कर दे कि वही अपनी रूहानियत व चेहरे पर तेज की दृष्टि से आध्यात्मिक क्षेत्र में सिद्ध पुरुष रूप में प्रतिष्ठित है। कहा भी गया है कि जो ज्ञान से भारी है,वही गुरू है और गुरु ज्ञान स्वयं में एक ऐसा अथाह सागर है जिसकी थाह ले पाना भी आसान नही है। गुरू शब्द जिसके सामने लग जाता है उसे अन्यो से श्रेष्ठतम और विशिष्टतम बना देता है। यथा गुरूत्वाकर्षण ,गुरूज्ञान आदि।वृकि गुरु भी श्रेष्ठतम महापुरुष होते है।इसी कारण गुरु के नाम से गुरु धाम भी प्रतिष्ठा समाज्ञ हो जाता है। पौराणिक साहित्य में गुरु की इतनी महत्ता दी गई कि उसे ही विष्णु,उसे ही ब्रहमा और उसे ही महेश्वर कहा गया है। गुरु देवता तूल्य होता है। गुरु की इस तुलना का अर्थ मात्र गुरू का महिमा मण्डन करना नही है। कई मायनो में गुरु भी ब्रहमा, विष्णु व महेश के समतूल्य होते है क्योकि गुरु ही वह शक्ति है जो अपने शिष्यो और अनुयायियों को ब्रहमा, विष्णु और महेश से मिलाने के लिए ,उन्हे आत्मसात करने का मार्ग बताते रहे। तभी तो प्रभु शरणम से पहले गुरू शरणम का प्रचलन है । युगप्रर्वक संत कबीर दास ने गुरू के सच्चे रूप और कार्य का वर्णन अपने एक दोहे में किया है। गुरू गोविन्द दोउ खडे काके लागू पाये,बलिहारी गुरू आपनो गोविन्द दियो बताए। यानि गुरू और गोविन्द दोनो खडे हो और पहले पैर किसके छूयें को लेकर संशय हो तो पहले गुरू के पैर छूने चाहिए क्योकि गुरू ही वह माध्यम है जो गोविन्द से मिलने का मार्ग बताता है। कई बार गुरू और अध्यापक को एक दूसरे का पर्याय मान लिया जाता है। परन्तु यह ठीक नही है। गुरू और अध्यापक एक नही हो सकते। अध्यापक अधिकाशत भौतिक विधाएं सिखाता है। लेकिन गुरू मनुष्य रूपी शिष्य को पूर्ण रूपेण आध्यात्मिक विकास व समग्र कल्याण के लिए तैयार करता है। उसी प्रकार गुरु अपने भक्तों को परमात्मामय बनने का रास्ता दिखाकर अपने भक्तों पर उपकार करते रहे है। गुरु की प्रेरणा से ही देश दुनिया को परमात्मा का सद सन्देश मिलता है और इस पुनीत कार्य मे गुरु ही सफल सिद्ध हो रहे है। गुरु की सोच है कि ,मनुष्य जीवन का उददेश्य है जीवन मरण के चक्र से निकलना और अपने कर्मो को भोगकर मोक्ष प्राप्त करना होता है। मोक्ष प्राप्ति की इस प्रक्रिया में गुरू की भूमिका बहुत बडी है। गुरु अच्छे बुरे का ज्ञान कराता है। साथ ही अनेक भौतिक विधाओं का ज्ञान देता है। गुरु ही वह व्यक्ति है जो सत्य और असत्य के बीच का अन्तर समझाकर अपने शिष्य को सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। जब तक मनुष्य अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण कर प्रभु प्राप्ति के पथपर अग्रसर नही होता, तब तक गुरु उसे निरंतर निर्देश देकर उसे अपने उददेश्य की सतत याद दिलाता रहता है।ताकि शिष्य गुरू की इच्छा के अनुरूप जीवन के सन्मार्ग पर चलकर गुरू को अमरत्व प्रदान कर सके।

वैदिक दर्शन में गुरू को एक चेतन देवता माना गया है। माता, पिता,पति, पत्नि,आचार्य इन सभी को चेतन देवता कहा गया है। मनुष्य के उपर इन पांचो देवताओं तथा जल, वायु ,अग्नि, वनस्पति आदि जड देवताओं का कर्ज होना माना गया है। आचार्य कर्ज मुक्ति के लिए उनके द्वारा दिये गए ज्ञान को जीवन में उतारना और दूसरो में बांटना जरूरी है। मनुष्य के लिए आवश्यक है कि सभी जड और चेतन देवताओं के साथ साथ आचार्य कर्ज भी इसी जीवन में उतारे ।जिसके लिए गुरू पूर्णिमा जैसे अवसरों पर गुरू दक्षिणा देकर गुरू पथगामी बना जा सकता है। इससे गुरू के प्रति श्रद्धा तो बढती ही है गुरू का आर्शीवाद भी अपने शिष्यों पर बना रहता है। भारतीय समाज में गुरु का एक विशिष्ट स्थान है। गुरू ही बालक में संस्कार भरकर उसे एक ऐसा मनुष्य बनाता है जो संस्कारो, विधाओं और विचारो से परिपूर्ण हो। इस समाज को ऐसे ही गुरू की आवश्यकता है जो विधाविभूषितकर कल्याण के मार्ग का पथिक बना सके। ऐसे ही गुरू समाज को अपनी दिव्य ज्ञान ज्योति से प्रकाशमान करते है।गुरु को भगवान से भी ऊंचा माना गया है क्योंकि गुरु ही हमें अज्ञानता के अंधेरे से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। आज ही के दिन आदिगुरु महाभारत के रचयिता और चार वेदों के व्याख्याता महर्षि कृष्ण द्वैपायन व्यास अर्थात महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था।

महर्षि व्यास संस्कृत के महान विद्वान थे। महाभारत महाकाव्य उनके द्वारा ही लिखा गया । सभी 18 पुराणों के रचयिता भी महर्षि वेदव्यास ही है। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है।

भारत में सभी ऋतुओं का अपना ही महत्व है? गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु में ही क्यों मनाया जाता है। इसका भी एक कारण है? क्योंकि इन चार माह में न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी होती है? यह समय अध्ययन और अध्यापन के लिए अनुकूल व सर्वश्रेष्ठ है? इसलिए गुरुचरण में उपस्थित शिष्य ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति को प्राप्त करने हेतु इस समय का चयन करते हैं?

जीवन में जिस तरह नदी को पार करने के लिए नाविक की आवश्यकता होती है, वाहन में यात्रा करते समय चालक की, उपचार कराते समय चिकित्सक की आवश्यकता होती है। ठीक इसी प्रकार जीवन को सफल बनाने के लिए एक गुरु की आवश्यकता होती है ।गुरु के मिल जाने पर गुरु पर आजीवन विश्वास करना होता है। ऐसा इसीलिए क्योंकि गुरु की अग्नि भी शिष्य को जलाती नही है अपितु उसे सही राह दिखाने का काम करती है।

यदि आप गुरु पूर्णिमा पर किसी को अपना गुरु बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले खूब सोच-विचार कर लें क्योंकि जीवन में गुरु सिर्फ एक बार बनाया जाता है, बार-बार नहीं । गुरु बनाने से पहले कबीरदास के इस दोहे पर जरूर गौर कर ले,

गुरु कीजिए जानि के, पानी पीजै छानि । बिना विचारे गुरु करै, परै चौरासी खानि॥

अर्थात जिस तरह पानी को छान कर पीना चाहिए, उसी तरह किसी भी व्यक्ति की कथनी-करनी जान कर ही उसे अपना सद्गुरु बनाना चाहिए। गुरु ऐसा होना चाहिए जिसमें किसी भी प्रकार का लोभ न हो ,उनमे मोह-माया न हो,जो भ्रम-संदेह से परे हो, वही गुरु है और उसी की शरण में जाना हितकर है।लेकिन ये सभी गुण शतप्रतिशत किसी मे हो वह केवल ओर केवल परमात्मा ही हो सकते है इसलिए परमात्मा से श्रेष्ठ कोई गुरु नही,जो हमारे शिक्षक भी है और परमपिता भी।गुरु पूर्णिमा पर ईश्वरीय याद में रहना और ईश्वर के प्रति अपने अंदर की समस्त बुराइयों को समर्पित कर पतित से पावन बन जाना ही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय

(लेखक-विनोद तकियावाला)

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

हमारा देश भारत अटूट आस्था,आध्यात्म,अवतारो संत महापुरुषों का देश है।उन्होंने यहाँ पर ना केवल जन्म लिया बल्कि विभिन्न युगों में अवतरित हो ना केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व का कल्याण किया है।चाहे वह राम हो कृष्ण हो,नानक हो बुद्ध हो महावीर हो इसी क्रम में कई ऐसे सक्ष्म गुरु के रूप अवतार है जैसे वेद व्यास जिन्होने चारों वेद का निर्माण कार्य पूरा है। गुरु शिष्य की परम्परा भी अति प्राचीन व प्रचलित है।गुरु-शिष्य परम्पराओ का वर्णन हमारे ग्रंथो व पुराणओं में मिलता है।गुरु के संदर्भ में कहा गया है कि-गुरु के बिना ज्ञान सम्भव है इस घरा पर गुरु का स्थान भगवान से ऊँचा दिया गया है,क्योंकि गुरु ही एक सच्चा पथ प्रदर्शक है।जो आप को जीवन में ज्ञान का ज्योति जलाकर कर आपकी यात्रा को सुगम बना देता है।आप पर किसी भी तरह का विपदा आये उसके पहले वे हटा कर आप को बचा लेता है।मेरे जीवन में एक सच्चे-समर्थ गुरु के रूप में स्वयं सद्गुरु व महात्मा सुशील कुमार जी व शक्ति स्वपणी सद्गुरू देव माँ . माँ विजया जी आज करीब 25 वर्ष पुर्व आगमन हुआ।जिसके लिए मै आज अपने आप को धन्य मानते है।बड़भागी वे लोग जिन्होने अपने जीवन सच्चे गुरु के रूप ग्रहण किया है। मै आपको बता दूँ सक्ष्म गुरु स्वंय ही अपने शिष्य को दुढ़ लेते है । बल्कि उनके सारे दु:ख कष्टों को हर उसके जीवन को सफल बना देते है। मेरे साथ ही ऐसा ही हुआ था।वंसत पंचमी के संध्या में प्रथम दर्शन के दौरान - विनोद तुम कहाँ थे मै तुम्हे कब से ढुढ रहे है। तभी आसन पर विराजमान शक्ति स्वपणी सद्गुरु देव माँ - माँ विजया जी बोली कि ये अभी तक अपने मन का मैल धो रहा था । इस सद्गुरु देव जी ने - चलो देर आये दुरस्त आये । इस वर्ष गुरु पूर्णिमा का महामहोत्सव हमारे गृह राज्य झारखण्ड की राजधानी राँची के ताने भगत इनड्रोर स्टेडियम मनाया जा रही है।यह महापूर्व अन्तराष्ट्रीय इस्सयोग समाज के संस्थापक ब्रहालीन महात्मा सुशील कुमार के सुक्ष्म उपस्थिति में सद्गुरुदेव माँ माँ विजया जी दिव्य उपस्थित मनाया जा रहा है। जिस में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावे अमेरिका जमनी ब्रिटेन आदि देशो से समर्णित इस्सयोगी दो दिन पुर्व पहुंच गए है। आप स्पष्ट कर दूँ कि गुरु पूर्णिमा के पर्व गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण सम्मान और आभार प्रकट करने के लिए होता है। गुरु पूर्णिमा साल आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। जिसका शाब्दिक अर्थ 'गुरु' शब्द का अर्थ होता है - अज्ञान के अंधकार को दूर करने वाला।गुरु अपने ज्ञान से शिष्य को सही मार्ग पर ले जाते हैं और उनकी उन्नति में सहायक बनते हैं। आपके जीवन में अदयात्मिक गुरु अपने शिष्य के अंदर संचित विकारों को निकाल कर उसके जीवन को सत्यथ की ओर अग्रसित करते हैं ।आज के दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं और उनकी दी गई शिक्षाओं का पालन करने का संकल्प लेते हैं। लोग अपने गुरुओं का आशीर्वाद लेने के लिए इस दिन उनके पास जाते हैं और उनकी चरण वंदना कर उन्हें विभिन्न उपहार देते हैं ।साधक अपने गुरु के सान्धिय में आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर होता है तथा मानसिक शांति प्राप्त होती है। विशेषरूप से गुरु पूर्णिमा पर गुरु को आदर और सम्मान देने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था,इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा या गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।ऐसी मान्यता है कि महर्षि वेदव्यास को भगवान विष्णु का ही रूप माना जाता है। ।जिन्होंने मनुष्य जाति को चारों वेदों का ज्ञान दिया था इसीलिए इन्हें जगत का प्रथम गुरु माना जाता है।

हमारे धर्म शास्त्रों में गुरु की महिमा

अनंत व अपरंपार है।सच्चे व सामर्थ्य गुरु ज्ञान के प्रकाश स्तंभ होते हैं जो आपके जीवन से अज्ञानता रूपीअंधकार को दूर करते हैं।भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और उनके बिना ज्ञान की प्राप्ति असंभव मानी गई है।वेदों में "गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का स्वरूप बताया गया है"। " गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्मा, तस्मै श्री गुरुवे नम:"अर्थात गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है।गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूँ। संत कबीर ने भी गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहा है कि" गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।।" यहाँ गुरु को गोविंद से भी ऊँचा स्थान दिया गया है, क्योंकि गुरु ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग दिखाते हैं। भगवान दत्तात्रेय ने अपने चौबीस गुरु बनाए थे। इनके अलावा भी भारतीय धर्म, साहित्य और संस्कृति में अनेक ऐसे दृष्टांत भरे पड़े हैं, जिनसे गुरु का महत्त्व प्रकट होता है। ऋषि वशिष्ठ को गुरु रूप में पाकर श्रीराम ने ,अष्टावक्र को पाकर जनक ने और संदीपनी को पाकर श्रीकृष्ण-बलराम ने अपने आपको बहुत भाग्यशाली माना।केवल गुरु ही नहीं बल्कि अपने से बड़े और अपने माता-पिता को गुरु तुल्य मानकर उनसे सीख लेनी चाहिए एवं उनका हमेशा सम्मान करना चाहिए। इस गुरु पूर्णिमा पर, हम सभी को अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करना चाहिए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।

गुरु के आशीर्वाद से ही हमारा जीवन सार्थक और सफल हो सकता है। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मै अपनी लेखनी के माध्यम से अपने सद्गुरुदेव - माँ के युगल श्री चरणो आस्था समर्पणे के भाव पुष्प अर्पित कर रहा है।इसके पहले यह कहना चाहूँगा कि - इन हथेलियो पे दिये थे आपने छड़ी के निशान बने रहे हम आप से हमेशा ही अजान । आप तो हमें पल में कराते रहते थे - ब्रह्मा का ज्ञान आप ही थे मेरे कृपा निधान ।गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर आपको ढेर सारी शुभकामनाएं ।

विचार मंथन

राज्यपालों के आपराधिक मामलों में छूट की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

(लेखक-सनत जैन)

राज्यपालों के किसी भी तरह के आपराधिक मुकदमे में पूर्ण छूट के प्रावधान की समीक्षा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के खिलाफ एक महिला के उत्पीड़न मामले में दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को भी इस मामले में नोटिस जारी किया है। पिछले कुछ वर्षों से संवैधानिक पदों पर बैठे हुए महानुभावों पर आपराधिक कृत्य के आरोप और प्रमाणिक शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उनके पास संवैधानिक पद है। नियमों में उन्हें छूट प्राप्त है। सरकार का उन्हें संरक्षण है। इस स्थिति में ऐसे लोगों को आपराधिक मामलों में संरक्षण दिया जाना, संविधान के मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अब अति हो गई है। संवैधानिक पदों पर बैठे हुए अधिकांश लोग ना तो नैतिक रह गये हैं ना ही उन्हें अपने पद की गरिमा और संवैधानिक जिम्मेदारी का एहसास है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार करने का जो निर्णय लिया है वह इस समय की सबसे बड़ी मांग है। महाराष्ट्र के राज्यपाल ने जिस तरह से अपने पद पर रहते हुए चुनी हुई निर्वाचित सरकार को साजिशपूर्ण ढंग से अपदस्थ किया था। सुप्रीम कोर्ट में जब इस मामले की सुनवाई हुई थी। तब यह मामला प्रमाणित भी हो चुका था, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल के खिलाफ कोई कार्रवाई इसलिए नहीं हो सकी, कि वह संवैधानिक पद पर विराजमान थे। अब संवैधानिक पद पर नहीं हैं, तब भी उनके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इस तरह का संरक्षण उन्हें असंवैधानिक कृत्य करने के लिए प्रोत्साहित करता है। दिल्ली के अभी जो उपराज्यपाल हैं, उनके खिलाफ भी गुजरात में पिछले कई वर्षों से आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। क्योंकि वह संवैधानिक पद पर बैठ गए हैं इसलिए उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। अभी भी उनकी कार्यप्रणाली विवादों से घिरी हुई है। उनके ऊपर संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप लगातार लग रहा है। यह बात भी सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार और राज्यपाल के अधिकारों को लेकर सुनवाई के दौरान प्रमाणित हो चुकी है। इसके बाद भी वह अपने पद पर बने हुए हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद पर रहते हुए पूर्व राज्यपाल और वर्तमान राज्यपाल दोनों ने ही अपने संवैधानिक पदों की मर्यादा को ताक पर रख दिया है। आपराधिक कृत्य करने के बाद भी उनके ऊपर कोई कार्यवाही संभव नहीं हो पा रही है। उन्हें नियमों में छूट मिली है। वह संविधान के प्रावधान और उसमें मिली विशेष छूट की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति राज्यपालों के मामले में केरल, तमिलनाडु एवं अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रही है। जहां संवैधानिक प्रावधानों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले और राज्य सरकार के अधिकारों का अनादर करते हुए, संवैधानिक पदों पर बैठे हुए ये राज्यपाल, मिली हुई विशेष छूट का बेजा फायदा उठा रहे हैं। केंद्र सरकार राज्यपालों को नियुक्त करती है। केंद्र सरकार के इशारे पर यह राजनीतिक रूप से राज्य सरकारों को प्रताड़ित और परेशान करने के लिए तरह-तरह के ऐसे कृत्य करते हैं, जो अपराधिक श्रेणी में आते हैं। अब तो हद हो गई है। राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद पर बैठे हुए लोग यौन अपराधों और भ्रष्टाचार के मामले में भी सीधे-सीधे लिप्त पाये जा रहे हैं। जो उनके शोषण का शिकार हुआ है। वह उनके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं करा सकता है। ना ही उस मामले की जांच होती है। ऐसी स्थिति में अब यह कहा जा रहा है, राजभवन में बैठे राज्यपाल नामक महानुभाव, खुलेआम अपने पद का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार कर रहे हैं। यौन अपराधों में लिप्त हैं। इसके बाद भी इन पर कोई कार्यवाही नहीं होना नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। भारतीय संविधान में सभी लोगों को समान अधिकार प्राप्त हैं। कोई भी व्यक्ति जो अपराध में लिप्त होता है, उसके खिलाफ कार्यवाही होना ही चाहिए। लेकिन जब कार्रवाई नहीं होती है, तो पीड़ित पक्ष जिसके साथ अन्याय हुआ है। उसे जो पीड़ा दी गई है। एक नागरिक के रूप में मिले हुए उसके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका के जजों के बारे में भी कुछ इसी तरह की शिकायतें सुनने को मिलने लगी हैं। संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों को जो छूट मिली है वह उनके संवैधानिक पद पर बैठकर जो निर्णय/कार्य किए जाते हैं। उसके लिए उन्हें छूट प्रदान की गई है।

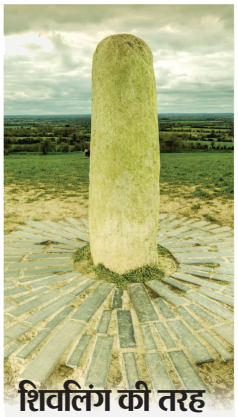

शिवलिंग की तरह दिखता है आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी'

आयरलैंड में एक खास पत्थर है जिसे लोग कई बार शिवलिंग समझने लगते हैं। सोशल मीडिया पर भी खूब इसके चर्चे थे, लेकिन वास्तव में यह खास आकार का शिवलिंग नहीं, बल्कि आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी' है। इसे बोलने वाला पत्थर भी कहा जाता है। यह लिआ फेइल पत्थर आयरलैंड के काउंटी मीथ में तारा पहाड़ी पर स्थित है। वास्तव में यह वहां के राजाओं के लिए राज्याभिषेक पत्थर के रूप में पहचाना जाता है। इसकी ऊंचाई तीन फीट तीन इंच है। इस पत्थर को लेकर मान्यताएं है कि जब आयरलैंड के राजा ने इस पर पैर रखा था, तो खुशी से यह पत्थर दहाड़ने लगा था।

बेहद खूबसूरत है नीदरलैंड का 36 मीटर ऊंचा पिरामिड, अनूठी है ज्यामिति आकृति

नीदरलैंड का ये पिरामिड अपनी अनोखी संरचना के लिए जाना जाता है। इसकी ज्यामिती आकृति बेहद खूबसूरत है। इस पिरामिड को साल 1804 में तैयार किया गया था। इस पिरामिड को फ्रेंच जनरल ने तैयार कराया था। यह फ्रेंच जनरल नेपोलियन बोनापार्ट की सेना का हिस्सा रहा है। यह पिरामिड मिस्त्र में गीजा के पिरामिड से प्रभावित है। इस पिरामिड की ऊंचाई 36 मीटर है, जो कि अब नीदरलैंड की राष्ट्रीय धरोहर बन गया है।

अगस्त में शुरू होगा बर्निंग मैन फेस्टिवल

बेहद अनोखा है रेगिस्तान में इसके जश्न का तरीका

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है.

बड़ी मेहनत से जी-जान लगाकर, अपना समय देकर, अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए आपने कोई चीज तैयार की हो, तो आप उसे कितना सहेज कर रखेंगे ना! लेकिन क्या आप अपनी ही उस खूबसूरत कलाकृति को खुद आग लगाने की हिम्मत कर सकते हैं। नहीं ना, लेकिन अपनी कलाकृति को आग लगाने का एक फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में मनाया जाता है। इस फेस्टिवल को बर्निंग मैन फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। रेगिस्तान में होने वाला यह अनोखा फेस्टिवल अगस्त के आखिरी रविवार से शुरू होता है और सितंबर के पहले सोमवार तक चलता है। इसमें लोग खुद कई तरह की कला से जुड़ी चीज़ें तैयार करते हैं। एक तरह से अपना एक शहर बसाते हैं। नाच-गाना होता है और इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगती है। लेकिन फेस्टिवल के आखिरी दिन खुद की बनाई कलाकृतियों को वे खुद जला देते हैं। यह काम आसान नहीं है लेकिन इस फेस्टिवल की फिलॉसफी ही यही है कि खुद की रचना को जलाने से अहंकार भी राख हो जाता है। 1986 में सेन फ्रांसिस्को के बेकर बीच पर पहली बार ये फेस्टिवल आयोजित किया गया था और आज तक इसका आयोजन हो रहा है। कला और संगीत के इस आयोजन में दस हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं।

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है. इस फेस्टिवल का नाम बर्निंग मैन फेस्टिवल है, जिसमें हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं. इस बार इसमें करीब 70 हजार लोगों ने शिरकत ली. यहां आने वाले लोग अपने हिसाब से पहले शहर बनाते हैं और फिर फेस्टिवल के अंत में वो खुद अपने हाथों ही सबकुछ जला देते हैं.

साल 1986 से शुरू किए गए इस फेस्टिवल में पहली बार सिर्फ 80 लोग ही आए थे. लेकिन बाद में ये इतना पॉपुलर हुआ कि हर साल ये संख्या बढ़ती ही गई. यहां पर लोग आते हैं और खुद का शहर बसाते हैं. वो कई कलात्मक वाहन और दूसरी कला से जुड़ी चीजें बनाते हैं. इस दौरान नाचना-गाना भी होता है और कला की प्रदर्शनी भी होती है.

फेस्टिवल के आखिरी दिन ये लोग खुद की बनाई कला को जला देते हैं. ऐसा वो यहां की फिलॉस्फी के कारण करते हैं, जिसमें माना जाता है कि खुद ही अपनी रचना को जलाकर अहं भी राख हो जाता है. यहां लोगों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जाती है. उन पर किसी भी तरह की रोक नहीं लगाई जाती है, ताकि वो सही मायने में आजादी का मतलब समझ सकें.

इस फेस्टिवल का सिर्फ एक नियम भी है, जो कम हैरान करने वाला नहीं है. यहां पर ऐसी किसी भी चीज का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए. इस नियम के कारण ही यहां पर प्लास्टिक के सामान से लेकर फ्यूल वाहन तक बैन हैं. आप यहां पर सिर्फ साइकिल या पैदल ही घूम सकते हैं.

एक व्यक्ति पर होता है 65000 रुपए का खर्च

फेस्टिवल में कला और संगीत को जगह दी गई है। हर कोई वह काम करता है, जो उसका फेवरेट होता है। अमेरिका में हर साल होने वाले इस त्योहार में हजारों लोग शामिल होते हैं और कई चीजों से अलग-अलग आकृतियां बनाकर दुनिया को दिखाते हैं। यह जरूरी नहीं कि यह आकृतियां आकर्षक हो इसलिए ज्यादातर आकृतियां अजीब ही होती हैं। इतना ही नहीं इस फेस्टिवल में लोग अलग और अजीब वेशभूषा भी धारण करते हैं। इस फेस्टिवल में कोई नियम नहीं है कि आप खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं। इस त्योहार को संस्कृति में लेने देने वाला पर्व भी कहते हैं।

यहां पर खुले मैदान में दूर से दिखने वाली आकर्षक आकृति लकड़ी से बनाई जाती है, जिसे अंतिम दिन जला दिया जाता है। इस तरह पर्व समाप्त हो जाता है। इसे फेस्टिवल ऑफ फायर भी कहते हैं।

फेस्टिवल के लिए अस्थायी तौर पर ब्लैक रॉक सिटी बनती है। 25 हजार रुपए का टिकट खरीदकर उसके सदस्य बनते हैं। पिछले साल 65 हजार लोग वहां पहुंचे थे। एक व्यक्ति का खर्च तकरीबन 65 हजार रुपए होता है। तकरीबन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में हजारों लोग अपनी धुन में मग्न रहते हैं। हजारों लोग रेगिस्तान में नाचने, गाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तीन दोस्तों ने की थी शुरुआत

द बर्निंग मैन फेस्टिवल की शुरुआत साल 1986 में कलाकार लैरी हार्वे ने मित्र जॉन ला और जैरी जेम्स के साथ सैन फ्रांसिस्को के बेकर तट पर की थी। उस समय 9 फीट ऊंचा लकड़ी का पुतला जलाया गया था और तभी से पुतले जलाने की परंपरा है। इस समय यह फेस्टिवल अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन, स्वीडन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया और कनाडा में भी मनाया जाता है।

कहाँ है ब्लैक रॉक रेगिस्तान

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के नेवादा राज्य में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट. एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है। -21 जून 1986 से इस रेगिस्तान में बर्निंग मैन-फैस्टिवल मनाया जाता है। यहां दुनियाभर से आए लोग सेलफोन, इंटरनेट, जैसी अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर पारम्परिक नाच-गाने और गीत संगीत के बीच एक सप्ताह गुजारते हैं।

दुनिया के सबसे बड़ा चूहा कैपीबारा

कैपीबारा एक जिज्ञासु जानवर है। हालाँकि वे आपकी आम सड़क या रसोई की अलमारी में रहने वाले जानवर की तरह नहीं दिखते, लेकिन दक्षिण अमेरिका के ये मूल निवासी दुनिया के सबसे बड़े कृंतक हैं। भले ही वे विचित्र दिखते हों, कैपीबारा जल्दी ही इंटरनेट के छद्म सितारे बन गए हैं - मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण कि वे बड़े गिनी पिग की तरह दिखते हैं। कैवी परिवार (कैविडे) से संबंधित, उनके सबसे करीबी रिश्तेदार वास्तव में गिनी पिग और रॉक कैवी हैं।

कैपीबारा को हमेशा जल निकायों के पास पाया जा सकता है, क्योंकि उनकी अर्ध-जलीय जीवनशैली होती है। अमेज़ॅन नदी के किनारे, ये गंदे पानी कैपीबारा के लिए कई खतरे पैदा करते हैं, लेकिन पानी के किनारे जीवन अभी भी शिविर लगाने के लिए एकदम सही जगह है - जिससे उन्हें जल्दी से पीछे हटने और एनाकोंडा, जंगली बिल्लियों और यहां तक कि चील जैसे शिकारियों से बचने का मौका मिलता है। जालदार पैर उन्हें पानी में चलने में मदद करते हैं, और उनके चेहरे की विशेषताएं उनके बड़े सिर के ऊपर की ओर स्थित होती हैं, जिससे उन्हें तैरते समय देखने और सांस लेने में मदद मिलती है।

वे पानी में भी सो सकते हैं

कैपीबारा एक बार में 5 मिनट तक गोता लगा सकते हैं और पानी के अंदर रह सकते हैं - अक्सर पानी में सो जाते हैं और अपनी नाक किनारे पर रखते हैं। नदियों, मैंग्रोव और दलदलों के किनारे झपकी लेने से उन्हें ठंडा रहने में मदद मिलती है।

ज़मीन पर भी बेहद फुर्तीले होते हैं

हालांकि कैपीबारा को पानी के किनारे घर जैसा महसूस होता है, लेकिन वे निश्चित रूप से जमीन पर अपना रास्ता जानते हैं, और 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति तक पहुंचने में सक्षम हैं - जो घोड़े के बराबर है!

उनके दांत लगातार बढ़ते रहते हैं

कठोर जलीय पौधों और घासों को खाने से होने वाले लगातार घिसाव की भरपाई के लिए उनके मोती जैसे सफ़ेद दांत बढ़ते रहते हैं! खरगोशों की तरह, उनके ऊँचे मुकुट वाले, संकरे किनारे वाले दाँत उनके भोजन को काटने के लिए पूरी तरह से अनुकूल होते हैं। अक्सर प्रकृति के ओटोमन या चलती कुर्सियों के रूप में संदर्भित, ये दोस्ताना जीव कभी भी किसी अन्य जानवर से सवारी साझा करने के अनुरोध को अस्वीकार नहीं करते हैं। पक्षियों की कई प्रजातियाँ, बंदर, खरगोश और यहाँ तक कि अन्य कैपीबारा को एक बहुत ही विनम्र कैपीबारा की पीठ पर बैठे, बैठे या लेटे हुए देखा गया है।

वे अत्यधिक सामाजिक प्राणी हैं

मिलनसार कैपीबारा लगभग 10-20 के बड़े झुंडों के बीच रहना पसंद करता है, और अक्सर अन्य जानवरों के साथ घुलमिल कर देखा जाता है। 8 ये उदाहरण अक्सर सहजीवी संबंध के प्रदर्शन होते हैं, जिसके तहत एक जानवर, जैसे कि एक पक्षी, कीड़ों के एक मुफ़्त स्मोर्गसबॉर्ड का आनंद ले सकता है, जबकि कैपीबारा आराम से बैठकर अपने मुफ़्त संवारने के सत्र का आनंद लेता है। उनका अविश्वसनीय रूप से सामाजिक स्वभाव उन्हें शिकारियों से बचाने और संभोग की संभावनाओं को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

कैपीबारा शाकाहारी होते हैं

ये शाकाहारी जलीय पौधे, घास, छाल, कंद और गन्ना खाते हैं। और यद्यपि वे जन्म के एक ही सप्ताह में अपनी हरी सब्जियाँ खाने में सक्षम होते हैं, वे अपने जीवन के पहले 16 सप्ताह तक दूध पीते हैं - समूह में किसी भी माँ से बिना किसी भेदभाव के दूध पीते हैं।

वयस्क मनुष्य के बराबर होता है वजन

लगभग 50 किलोग्राम के औसत वजन के साथ, ये बैरल के आकार के स्तनधारी निश्चित रूप से कोई फील्ड चूहे नहीं हैं - इनका वजन 35 से 70 किलोग्राम के बीच होता है। हालाँकि मादा कैपीबारा अपने नर समकक्षों की तुलना में थोड़ी भारी होती हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी तेजी रही

मुंबई । पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगभग एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। बुधवार को मोहर्रम के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने से एक' दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत में तेजी के साथ खुले शेयर बाजार मुनाफावसूली और तकनीकी दिक्कतों के कारण वैश्विक स्तर पर हुई बिक्री के चलते शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और एक दिन गिरावट दर्ज की गई। पिछले सप्ताह के चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वै श्विक बाजारों में तेजी की वजह से सप्ताह पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 290.46 अंक चढ़कर 80,809.80 अंक पर खुला और 145.52 अंक चढ़कर 80,664.86 अंक के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 95.85 अंक की बढ़त के साथ 24,598 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 84.55 अंक की बढ़त के साथ 24,586.70 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में बढ़त के बीच भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 97 अंक बढ़कर 80,762 पर खुला और 51.69 अंक मजबूत होकर 80,716.55 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 29 अंक ऊपर 24,615 पर खुला और 26.30 अंकों की बढ़त के साथ 24,613.00 पर बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 750 अंकों की उछाल के सा अपने नए ऑल टाइम हाई 81485.9 पर खुला और 626.91 अंकों की बढ़त के साथ 81,343.46 पर बंद हुआ। निफ्टी 24,829.35 के सर्वोच्च स्तर पर खुला और 187.85 अंक मजबूत होकर 24,800.85 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर खुलकर फिसल गए। शुक्रवार को सेंसेक्स 146 अंकों की गिरावट के साथ 81,198 के स्तर पर खुला और 738.81 (0.90 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 80,604.65 पर बंद हुआ। निफ्टी 59 अंक फिसलकर 24741 पर खुला और 269.95 (1.09 फीसदी) अंक टूटकर 24,530.90 पर बंद हुआ।

माइक्रोसॉफ्ट संकट से बचे रहे दुनियाभर के शेयर बाजार

नई दिल्ली । दुनिया की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की प्रणाली में आए वैश्विक व्यवधान से सभी शेयर बाजार और निपटान निगम बचे रहे। शेयर बाजारों ने संयुक्त बयान में यह बात कही। दुनिया भर में शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट की प्रणाली में व्यवधान के चलते संकट खड़ा हो गया। इस तकनीकी गड़बड़ी ने वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में व्यवधान पैदा किया है। शेयर बाजारों ने कहा, भारत में, सभी एक्सचेंज और निपटान निगम बिना किसी बाधा के काम करते रहे। 1,400 से अधिक कारोबारी सदस्यों में से 11 ने अपने संचालन में व्यवधान की सूचना दी। बयान में कहा गया कि कुल मिलाकर, एक्सचेंजों और निपटान निगमों ने भारतीय प्रतिभूति बाजार में कारोबार और निपटान गतिविधियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखा।

इंडियन होटल्स का मुनाफा बढ़कर 260 करोड़ पर

नई दिल्ली । इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड का मुनाफा जून 2024 को समाप्त तिमाही में 10.25 प्रतिशत बढ़कर 260.19 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से परिचालन आय बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि देश की सबसे बड़ी होटल कंपनी को एक साल पहले इसी तिमाही में 236.01 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। इंडियन होटल्स के पास लक्जरी होटल ताज ब्रांड का स्वामित्व है। समीक्षाधीन अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 1,596.27 करोड़ रुपये रही। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,515.70 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल खर्च भी बढ़कर 1,267.78 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले जून तिमाही में यह 1,221.76 करोड़ रुपये था।

सरकार का अनाज, तिलहन में नमी मापने मीटर शामिल करेगी

नई दिल्ली । सरकार ने अनाज और तिलहन में नमी के स्तर को मापने के लिए कानूनी माप विज्ञान नियमों में नमी मीटर शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। कृषि व्यापार गतिविधियों में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत यह प्रस्ताव किया गया है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अनाज और तिलहन में नमी के स्तर को मापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नमी मीटर के लिए मसौदा नियमों पर चर्चा करने को लेकर सभी संबंधित पक्षों के साथ एक बैठक बुलाई थी। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न विनिर्माताओं, उपयोगकर्ताओं, वैज्ञानिक संस्थानों, प्रयोगशालाओं, राज्य सरकार के कानूनी माप विज्ञान विभागों और स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों ने भाग लिया।

भारत का कारोबारी विश्वास सूचकांक 150 पर

नई दिल्ली । भारत के कारोबारी विश्वास सूचकांक में सुधार देखा जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 की अप्रैल-जून तिमाही में कारोबारी विश्वास सूचकांक 150 पर पहुंच गया, जो इसके पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में 138 था। नेशनल काउंसिल फॉर अप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर)-एनएसई सर्वे के मुताबिक यह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में भी अधिक है। अगले 6 महीने में कुल मिलाकर आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद करने वाली फर्मों की संख्या वित्त 2023-24 की चौथी तिमाही के 65.8 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 71.2 प्रतिशत हो गई है। सर्वे के मुताबिक ज्यादातर फर्मों का मानना है कि अगले 6 महीने में कुशल व अकुशल या स्थाई और अस्थाई कर्मचारियों की संख्या में वैसी ही बनी रहेगी, जैसी पिछले 3 महीने में थी। करीब 32 प्रतिशत फर्मों ने कहा कि उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में प्रबंधक के स्तर के कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की योजना बनाई है। साथ ही वे अगले 6 महीनों में कुशल श्रमिकों की भर्ती बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में जनवरी-मार्च के दौरान 30.6 प्रतिशत फर्मों ने ऐसी योजना बनाई थी। करीब 50 प्रतिशत फर्मों का ऐसा मानना है कि प्रबंधन, कुशल और अकुशल स्तर के कर्मचारियों का वेतन अगले 6 महीने में बढ़ेगा। ऐसा मानने वालों की संख्या पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 58 प्रतिशत थी।

बैंक के अतिरिक्त भी निवेश के साधन तलाश रहे लोग

नई दिल्ली । ज्यादातर परिवार इस समय बैंक में धन जमा करने के अतिरिक्त भी निवेश के साधन की तलाश कर रहे हैं। रिजर्व बैंक के एक शोध पत्र के मुताबिक पिछले एक दशक से अभी परिवारों की बचत के निवेश में जमा सबसे ऊपर बना हुआ है, लेकिन निवेश के अन्य साधनों जैसे इक्विटी और निवेश फंडों, बीमा और पेंशन फंडों में परिवारों की रुचि बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके साथ ही परिवारों की कुल वित्तीय संपदा में इक्विटी और निवेश फंड की हिस्सेदारी 2011-12 से 2022-23 के बीच 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी कहा है कि परिवार और ग्राहक, जो परंपरागत रूप से अपनी बचत का निवेश बैंकों में करते पर निर्भर थे, उनकी दिलचस्पी पूंजी बाजारों व अन्य वित्तीय साधनों में बढ़ रही है। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में दास ने कहा' कि परिवारों द्वारा की गई कुल बचत में बैंक जमा की हिस्सेदारी अभी भी सबसे ज्यादा है, लेकिन यह हिस्सेदारी धीरे धीरे घट रही है। परिवार अब अपनी बचत म्युचुअल फंडों, बीमा फंडों और पेंशन फंडों में लगा रहे हैं। स्पष्ट रूप से कहा जाए तो परिवार अपनी बचत को बैंकों के बजाय अन्य माध्यमों की ओर लगाने में अधिकाधिक आकर्षित हो रहे हैं।

जियो फिर डाटा खपत में बना दुनिया का नंबर वन नेटवर्क

नई दिल्ली । चीनी कंपनियों को पछाड़ कर रिलायंस जियो दुनिया भर में डाटा खपत के मामले में नंबर वन कंपनी बन गई है। कंपनी के जून तिमाही के नतीजों में इस बात का खुलासा हुआ कि जियो नेटवर्क पर डाटा खपत तिमाही में 44 एक्साबाइट (4400 करोड़ जीबी) से आगे निकल गई है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 33 फीसदी का उछाल है। देश में पहली बार किसी टेलीकॉम नेटवर्क पर ग्राहक औसतन प्रति दिन 1 जीबी से कुछ अधिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। जियो 5जी नेटवर्क से जुड़े करीब 13 करोड़ ग्राहक बड़ी संख्या में डाटा का उपयोग करते हैं। अभी जियो के 5जी नेटवर्क पर बिना शुल्क अनलिमिटेड डाटा उपलब्ध है। 5जी ग्राहकों की यह संख्या कितनी बड़ी है, इसका अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर चीन को छोड़ दें तो यह नंबर दुनिया में सबसे बड़ा है। बताया जा रहा है' कि जियो के करीब 49 करोड़ ग्राहक हैं, जिनमें से 4 करोड़ के आसपास पिछले साल भर में जियो नेटवर्क से जुड़े हैं। तिमाही नतीजों पर रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उच्च कवरेज वाला, किफायती इंटरनेट डिजिटल इंडिया की रीढ़ है और जियो को इसमें योगदान देने पर गर्व है। हमारे नए प्रीपेड प्लान्स, 5जी और एआई के क्षेत्र में इनोवेशन और सतत विकास को को बढ़ावा देंगे।

भारतीय कुशल कामगारों के लिए जर्मन सरकार ने खोल दिए दरवाजे

श्रम मंत्री ह्यूबर्टस हील ने कहा, भारतीय कामगार चाहिए

बर्लिन ।

जर्मन सरकार देश में गहराते श्रम संकट को दूर करने के लिए भारत की ओर देख रही है। जर्मन सरकार ने श्रम की कमी से निपटने के लिए भारतीय कामगारों को ज्यादा नियुक्त देने पर विचार कर रही है। जर्मनी के श्रम मंत्री ह्यूबर्टस हील ने कहा है कि कुशल श्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सभी तरह के प्रयास हो रहे हैं। एक नई योजना बनाई जा रही है, इसके तहत जर्मनी भारत से बड़ी संख्या में कुशल श्रमिकों को नियुक्त करना चाहता है। इस योजना को पूरा करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हील ने बर्लिन के फ्री यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों के साथ एक बातचीत में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित अधिकारी काम कर रहे हैं। इस शरद ऋतु में जर्मन और भारत सरकार के परामर्श के लिए इंडियन स्किल्स वर्कर स्ट्रैटजी (भारतीय कुशल श्रमिक रणनीति) को पेश करेंगे। यह रणनीति विदेश कार्यालय और संघीय श्रम मंत्रालय और दूसरे संबंधित कार्यालय मिलकर तैयार कर रहे हैं। हील ने जर्मनी की जनसांख्यिकीय संरचना के चलते श्रम बाजार की चुनौतियों पर भी बात की। मंत्री हील ने कहा कि जर्मनी में तेज दिमाग और मदद करने वाले हाथों का स्वागत होता है और आगे भी कुशल कामगारों के लिए दरवाजे खुले रहने वाले हैं। इंस्टीट्यूट फॉर एम्प्लॉयमेंट रिसर्च (आईएबी) के अध्ययन का जिक्र करते हुए मंत्री हील ने कहा कि जर्मनी को 2035 तक 70 लाख मजदूरों की जरूरत होगी। जर्मनी 70 से अधिक व्यवसायों में श्रमिकों की कमी का सामना कर रहा है। इसमें सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में परिवहन, विनिर्माण, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और आईटी हैं। जर्मनी ने हाल के महीनों में कई बदलाव लागू किए हैं, जिससे कुशल श्रमिकों के लिए देश में रहना आसान हुआ है। सरकार ने श्रमिकों के लिए जर्मनी को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सुधार किए हैं।

इस साल 10 फीसदी एआई पीसी बेचने का लक्ष्य: आसुस

बीजिंग । हाल ही में देश का सबसे पहला कोपायलट प्लस एआई लैपटॉप पेश करने के बाद ताइवान की पीसी विनिर्माता आसुस की नजर अपने एआई पीसी पोर्टफोलियो के साथ भारतीय उपभोक्ता पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) बाजार की हिस्सेदारी वापस पाने पर है। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि इन उपकरणों की उपभोक्ता मांग ने उम्मीदों को पर छोड़ दिया है और कंपनी भारत में एआई पीसी के लिए अपने पूर्वानुमानों को दोगुना कर रही है। आसुस इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि एआई पीसी की मांग हमारी उम्मीदों से ज्यादा रही है। इसलिए अब हम भारत में अपनी अगली पीढ़ी के एआई पीसी की आपूर्ति बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हम अपने पूर्वानुमानों को दोगुना करेंगे। इस साल के आखिर तक हमारा लक्ष्य है कि हमारी कुल शिपमेंट में एआई पीसी की हिस्सेदारी पांच से 10 प्रतिशत के बीच हो। अगले साल से यह धीरे-धीरे बढ़ेगी। इंटरनैशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) के आंकड़ों के अनुसार भारत का पीसी बाजार, जिसमें डेस्कटॉप, नोटबुक और वर्कस्टेशन शामिल हैं, वित्तीय वर्ष 2024 की पहली तिमाही में पिछले साल की तुलना में 2.6 प्रतिशत बढ़कर 30.7 लाख की शिपमेंट तक पहुंच चुका है।

संसद के बजट सत्र में पांच नए विधेयक पेश करने की सूची तैयार

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार सोमवार से शुरू होने वाले संसद के बजट सत्र में वित्त विधेयक के अलावा पांच नए विधेयक पेश करेगी। बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक होगा जिसमें 16 बैठक होंगी। बजट सत्र में सोमवार को आर्थिक समीक्षा पेश की जाएगी और मंगलवार को केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा। सरकार ने रविवार को सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की पारंपरिक बजट पूर्व सर्वदलीय बैठक बुलाई है। लोक सभा के विशेष सत्र से स्पष्ट है लोक सभा में अपनी बढ़ी हुई ताकत को देखते हुए विपक्षी गठबंधन इंडिया बजट सत्र में अधिक आक्रामक होने वाला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की संख्या राज्य सभा में भी कम हो गई है क्योंकि इस महीने की शुरुआत में चार भाजपा सांसद सेवानिवृत्त हो गए। ये चार नामित सांसद थे जो औपचारिक रूप से भाजपा के साथ थे। 245 सदस्यीय राज्यसभा में 19 रिक्तियां हैं और बहुमत का आंकड़ा 113 सीट तक पहुंचता है। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के पास भाजपा के 86 सहित 101 सांसद हैं और इसलिए यह बहुमत के आंकड़े से कम है। राजग 17वीं लोकसभा के कार्यकाल के दौरान की तरह ही वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (11 सांसद), अन्नाद्रमुक (4) और अन्य क्षेत्रीय दलों पर भरोसा कर सकता है। हालांकि इन दलों में से कम से कम एक दल बीजू जनता दल ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का समर्थन विशेष सत्र के दौरान किया था जिसके 9 सांसद हैं। हालांकि भाजपा उन 11 रिक्तियों में से कम से कम आधी सीटों पर बढ़त की तैयारी में है जिनके लिए चुनाव होने हैं। ये रिक्तियां इस वजह से बनी क्योंकि कुछ राज्य सभा सदस्य लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। इनके अलावा चार रिक्तियां नामित श्रेणी में हैं जबकि चार जम्मू कश्मीर की सीट हैं। सरकार ने जिन पांच नए विधेयकों को सत्र में पेश करने का प्रस्ताव दिया है उनमें भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 है जो विमान अधिनियम, 1934 को दोबारा लागू करेगा। सरकार के मुताबिक इस विधेयक से मौजूदा कानून में अस्पष्टता की समस्या दूर की जाएगी और सरकार के आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया जैसी पहल को समर्थन करने के लिए विमानन क्षेत्र में विनिर्माण के प्रावधान को सक्षम बनाया जाएगा।

बीपीसीएल का मुनाफा 73 प्रतिशत घटकर 2,842 करोड़

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कहा कि उसका मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 73 प्रतिशत घट गया। रिफाइनरी मार्जिन में गिरावट और ईंधन की कीमतों में कमी के चलते विपणन मार्जिन कम रहने से उसका मुनाफा घटा। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसका मुनाफा 2,841.55 करोड़ रुपये था, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,644.30 करोड़ रुपये था। इस साल जनवरी-मार्च में बीपीसीएल का मुनाफा 4,789.57 करोड़ रुपये था। ईंधन खुदरा कारोबार से कर-पूर्व आय 70 प्रतिशत घटकर 4,255.73 करोड़ रुपये रह गई। बीपीसीएल और दूसरे सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले साल लागत में गिरावट के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखने से असाधारण लाभ कमाया था। बीपीसीएल ने समीक्षाधीन तिमाही में कच्चे तेल के प्रत्येक बैरल को ईंधन में बदलने पर 7.86 अमेरिकी डॉलर कमाए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसका सकल रिफाइनिंग मार्जिन 12.64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल था। इस साल अप्रैल-जून में बिक्री वृद्धि 3.22 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले यह 8.42 प्रतिशत थी। परिचालन आय 1.28 लाख करोड़ रुपये पर लगभग अपरिवर्तित रही।

विदेशी बैंक बने बड़े निवेशक, एफएआर के तहत आए 23,351 करोड़

नई दिल्ली ।

जेपी मॉर्गन सूचकांक योग्य बांड्स में निवेश प्रवाह से अधिक निवेश कर विदेशी बैंक इसके सबसे बड़े निवेशक बन गए हैं। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की अर्थव्यवस्था की एक रिपोर्ट में दी गई है। एक' रिपोर्ट में' दिए गए आंकड़ों के अनुसार इस वित्त वर्ष में 1 जून से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने ऋण खंड में 26,251 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। विदेशी बैंकों ने 1 जून के बाद से 6 अरब डॉलर से अधिक के ऋण प्रतिभूति खरीदे हैं। हालांकि इस अवधि में भारत सरकार के पूरी तरह से सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत नामित भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में 23,351 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। पूरी तरह सुलभ मार्ग के तहत नामित 38 बॉन्ड में से केवल 29 ही जेपी मॉर्गन बॉन्ड सूचकांक के मानदंड को पूरा कर पाए हैं। मानदंड यह है कि इन बॉन्ड की फेस वैल्यू 1 अरब डॉलर से अधिक और बची हुई परिपक्वता अवधि 2.5 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत के सावरिन बॉन्ड शामिल किए जाने से पहले ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इन बॉन्ड में अपना स्वामित्व बढ़ाकर 10 अरब डॉलर से अधिक कर दिया है। 28 जून से औपचारिक रूप से शामिल किए जाने के बाद विदेशी निवेशक ऋण खंड में 10,641 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियां हर रोज पेट्रोल और डीजल की नई कीमत जारी करती है। फिलहाल शे निवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वैसे तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बहुत आम बात है, लेकिन इन कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर और लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

बीते हफ्ते 9.70 अरब डॉलर बढ़ा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 666 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जुलाई को खत्म हुए हफ्ते में 9.70 अरब डॉलर उछलकर अब तक के उच्च स्तर 666.85 अरब डॉलर हो गया। इससे एक हफ्ते पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 5.16 अरब डॉलर बढ़कर 657.15 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 12 जुलाई को खत्म हुए सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स 8.36 अरब डॉलर बढ़कर 585.47 अरब डॉलर हो गई। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में फॉरेन करेंसी एसेट्स एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले फॉरेन करेंसी एसेट्स में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी करेंसी में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि पिछले सप्ताह के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 58.66 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट्स 7.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.11 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक पिछले सप्ताह में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के पास भारत की रिजर्व पोजीशन 3.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.61 अरब डॉलर हो गई।

कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करने पर नहीं मिलेगा बीमा, इसलिए रखें कुछ बातों का ख्याल

नई दिल्ली।

बीमा कंपनियां वाहन बीमा दावों की प्रक्रिया सरल बनाने का प्रयास कर रही हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिये गाड़ी के निरीक्षण की तकनीक को व्हाट्सऐप चैटबॉट पर डाल दिया है। इससे ग्राहक 20,000 रुपए तक होने वाले नुकसान के दावे तुरंत निपटा लेंगे। पॉलिसी बाजार ने क्लेम एश्योरेंस प्रोग्राम शुरू किया, जिसमें ग्राहकों को उनके दावे के लिए खास क्लेम मैनेजर मिलेगा और गाड़ी को नेटवर्क के गैराज तक ले जाने की सुविधा भी मिलेगी। कंपनियां तो सब कर रही हैं मगर ग्राहकों को भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिनकी वजह से दावे खारिज हो सकते हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस में निदेशक और चीफ बिजनेस ऑफिसर पार्थनील घोष कहते हैं कि अगर दावा पॉलिसी की जोखिम अवधि खत्म होने के बाद किया गया है तो कंपनी उसे खारिज कर देगी। वाहन बीमा वाहनों की खास श्रेणियों के लिए बेचा जाता है। अगर आप निजी कार के लिए बीमा ले रहे हैं तो आपसे निजी इस्तेमाल के हिसाब से ही प्रीमियम लिया जाएगा। अगर आप अपनी कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करते हैं और दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं तो आपका दावा नहीं माना जाएगा। थर्ड पार्टी बीमा के बगैर गाड़ी चलाने पर भी दावे खारिज हो सकते हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम में हेड संदीप सराफ कहते हैं कि मोटर यान अधिनियम के मुताबिक हरेक ग्राहक के पास वैध थर्ड पार्टी बीमा होना चाहिए। अगर ग्राहक उसके बगैर दावा करता है तो खारिज कर दिया जाएगा। वाहनों को मोटर यान अधिनियम का पालन करते हुए सार्वजनिक सड़कों पर ही चलाया जाना चाहिए। अगर रजिस्ट्रेशन के बगैर या शराब पीकर या वैध लाइसेंस के बगैर गाड़ी चलाते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है। आप नो क्लेम बोनस की गलत जानकारी देते हैं और प्रीमियम कम करा लेते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है।

भारत की नजरें यूएई को हराकर एशिया कप 2024 सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होंगी

दाम्बुला (एजेंसी)। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ जीत दर्ज करके महिला एशिया कप सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगी। गत चैम्पियन भारत ने शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। यूएई को हरमनप्रीत कौर की टीम को हराने के लिये चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा।

भारत के फिलहाल दो अंक और प्लस 2.29 का नेट रनरेट है और अमीरात को हराने से उसके चार अंक हो जायेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर ने अच्छी गेंदबाजी की। टीम प्रबंधन को बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के जरिये वापसी की है। रेणुका ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' यह अच्छा स्पैल था और मौसम से भी मदद मिली। नेट पर जिस तरह से मैं अभ्यास कर रही हूं, मैच में भी उसे दोहरा सकी।''

भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 35 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने 9 . 3 ओवर में 85 रन की साझेदारी की। इसके बाद भारत ने तीन विकेट जल्दी गंवा दिये। भारतीय खेमा यूएई के खिलाफ मध्यक्रम के बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा होगा। एशिया कप बांग्लादेश में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिये अहम माना जा रहा है।

रेणुका ने कहा ,'' एशिया कप महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद टी20 विश्व कप से पहले

ज्यादा मैच नहीं खेलने हैं। बांग्लादेश में भी हालात ऐसे ही होंगे लिहाजा हमें इस टूर्नामेंट से काफी मदद मिलेगी।'' दूसरे मैच में पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

यूएई : एशा रोहित ओझा (कप्तान), कविशा कुमारी, रितिका रजत, समायरा डी, लावण्या केनी, एमिली थॉमस, हीना होचंदानी, महक ठाकुर, इंदुजा नंदकुमार, रिनिता रजत, खुशी मोहन शर्मा, रिशिता रजत, सुरक्षा कोट्टे, टी सतीश, वैष्णवी महेश्र।

बाबर सहित पाक क्रिकेटरों का ग्लोबल टी20 कनाडाई लीग में खेलना संदिग्ध

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी का आगामी ग्लोबल टी20 कनाडाई क्रिकेट लीग में खेलना संदिग्ध नजर आता है। इसका कारण है कि इन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) शायद ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे। इसका कारण है कि इस लीग का कार्यक्रम टीम के अंतरराष्ट्रीय मैचों से टकरा सकता है। पाक और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 21 अगस्त से होगी।

वहीं कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी न मिलने का कारण यह है कि सभी प्राप्तों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। पीसीबी खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उनके आगे बहुत व्यस्त कार्यक्रम है। इससे पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह को भी पिछले सप्ताह द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी नहीं दी गई थी।

वहीं पीसीबी की ओर से कहा गया है कि नसीम के आवेदन को चोटों से बचाने के लिए खारिज कर दिया गया है। इसके अलावा मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफ्तिखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी 20 कनाडा अनुबंध हैं। पीसीबी के अध्यक्ष नकवी ने कहा कि खिलाड़ियों को कुछ मानदंडों के आधार पर ही एनओसी मिलेगी। जो खिलाड़ी मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें एनओसी मिलेगी।

गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों ने अपना काम बखूबी किया: हरमनप्रीत

दाम्बुला (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को यहां महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में पाकिस्तान को हराने के बाद कहा कि उनके गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों ने अपना काम बखूबी किया। भारत ने गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों की बदौलत पाकिस्तानी टीम को सात विकेट से हरा दिया। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा कि हमारी गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों ने अपना काम किया। पहला मैच हमेशा ही दबाव भरा होता है क्योंकि आपको लय बनानी होती है। हमारी पूरी टीम अच्छा खेली। उन्होंने कहा कि जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तो हम जल्दी विकेट लेने के बारे में बात कर रहे थे। बल्लेबाजी में श्रेय स्मृति और शेफाली को जाता है। हम इसी तरह से निर्भीक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। अनुभवी गेंदबाज दीप्ति शर्मा 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहीं जिन्होंने तीन विकेट झटके। उन्होंने कहा कि योजना के मुताबिक गेंदबाजी कर पाई जिससे मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मुझे भरोसा था। एक इकाई के तौर पर हम कुछ महीनों से अच्छा कर रहे हैं। हमने कई शिविरों में हिस्सा लिया जिससे काफी मदद मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद से मैं अपनी गेंदबाजी पर काम कर रही थी, जिससे मदद मिली। निदा दार एक अच्छी खिलाड़ी हैं, उनका विकेट अहम था। पाकिस्तान की कप्तान निदा दार ने कहा कि पावरप्ले में ही अंतर पैदा हुआ। हम दोनों में ही पिछड़े। गेंदबाजों ने अंत में अच्छा काम किया। हमें वापसी का भरोसा है।

ऋषभ पंत की चेन्नई सुपर किंग्स में एंट्री, आईपीएल 2025 से पहले होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स में बड़ा धमाका हो सकता है। बीते दिनों ही दिल्ली फ्रेंचाइजी ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को अलविदा बोल दिया था। अब खबर है कि फ्रेंचाइजी कप्तान ऋषभ पंत से भी करार तोड़ सकती है। दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने और टॉप स्कोरर रहे पंत बतौर कप्तान दिल्ली को खिताब नहीं दिला पाए हैं। क्योंकि पोंटिंग पहले ही दिल्ली से दूर हो गए हैं तो ऐसे में फ्रेंचाइजी कप्तान और कोच की नई जोड़ी के साथ आईपीएल 2025 की तैयारी कर सकता है। खबर है कि ऋषभ पंत इस दौरान पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स में जा सकते हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फ्रेंचाइजी विकेटकीपर-बल्लेबाज की ट्रेडिंग पर भी विचार कर सकती है, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान और डीसी के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली पंत को कप्तान बनाए रखने के पक्ष में हैं। अगर दिल्ली ने पंत को रिलीज किया तो वह चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हो सकते हैं। सीएसके के एक अधिकारी ने संकेत दिया है कि अगर एमएस धोनी अपने आईपीएल करियर को अलविदा कहने का फैसला करते हैं तो फ्रेंचाइजी उनके प्रतिस्थापन के रूप में एक शीर्ष भारतीय विकेटकीपर को साइन करने पर विचार कर रही है।

43 वर्षीय धोनी आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कैप्ड खिलाड़ी हैं। संभावना है कि वह आईपीएल 2025 संस्करण में शामिल नहीं होंगे। हालांकि इस बीच एक खबर यह भी है कि लखनऊ सुपर जायंट्स फ्रेंचाइजी केएल राहुल से अपना नाता तोड़ सकती है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2024 के मैच में हारने के बाद एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने कैमरे के सामने ही राहुल से गर्मागर्म बहस की थी। राहुल जो आईपीएल 2022 मेगा नीलामी से पहले 17 करोड़ रुपए में एलएसजी में शामिल हुए थे, के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़ने की उम्मीद है।

31 वर्षीय खिलाड़ी पहले भी आरसीबी के लिए खेल चुके हैं। वह 2013 और 2016 में आईपीएल में फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे। वह पहले भी आरसीबी से दोबारा खेलने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। आरसीबी की बात करें तो अभी इसकी कप्तानी फाफ डु प्लेसिस कर रहे हैं। आरसीबी ने बीते सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था। क्योंकि डु प्लेसिस की उम्र बढ़ती जा रही है तो ऐसे में आरसीबी किसी भारतीय को कप्तान बना सकते हैं। ऐसे में केएल राहुल की कप्तानी के लिए दावेदारी बढ़ सकती है।

वर्ल्ड मास्टर्स अगस्त में होगी, 6 टीमें शामिल होंगी

जोहांसबर्ग। यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जॉंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के फिंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

अब कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अब कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं। 41 साल के एंडरसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद ही खेल को अलविदा कह दिया था। संन्यास से पहले ही उन्होंने कहा था कि वह कोचिंग करने के साथ ही तेज गेंदबाजों को खेल के बारे में जानकारी देने का काम करेंगे। वहीं इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब वे ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक अब एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं। एंडरसन ने कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है। एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें तहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि एकदिवसीय

मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त , दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा।

वहीं पहला एकदिवसीय 14 अगस्त, दूसरा 16 अगस्त को व तीसरा एकदिवसीय 18 अगस्त को खेला जाएगा। एकमात्र चार दिवसीय मैच 22 से 25 अगस्त तक होगा।

टी20 टीम = तहलिया मैकग्रा (कप्तान), मैडी डार्के, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

एकदिवसीय टीम = ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के ,सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

चार दिवसीय टीम = चार्ली नॉट (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के, सोफी डे, एम्मा डे ब्रून, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सोंस, केट पीटरसन, कर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

स्पेन के मनोलो मार्केज को भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एफसी गोवा के वर्तमान प्रभारी स्पेन के मनोलो मार्केज को शनिवार को भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह बर्खास्त इगोर स्टिमक की जगह लेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में 55 साल के मार्केज को शीर्ष पद के लिए नियुक्त किया गया। मार्केज वर्तमान में आईएसएल टीम एफसी गोवा के मुख्य कोच हैं। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, ''समिति ने दिन के पहले फैसले में सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के लिए नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर विचार-विमर्श किया और तत्काल प्रभाव से इस पद के लिए मनोलो मार्केज का चयन किया।'' उन्होंने कहा, '' मार्केज 2024-25 सत्र में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय टीम का कोच बनने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे।'' एआईएफएफ ने मार्केज के कार्यकाल का खुलासा नहीं किया। भारतीय टीम के 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने में असफल रहने के बाद स्टिमक को 17 जून को मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

पिछले कुछ सप्ताह किसी सपने से कम नहीं थे : सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले कुछ सप्ताह 'किसी सपने से कम नहीं रहे।' सूर्यकुमार ने उन पर भरोसा बनाए रखने और हाल के दिनों में व्यापक समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इस 33 वर्षीय बल्लेबाज को रोहित शर्मा की जगह भारत की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। उन्हें हार्दिक पांड्या पर प्राथमिकता दी गई।

सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर लिखा- आपसे मिले प्यार, समर्थन और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। पिछले कुछ सप्ताह किसी सपने से कम नहीं रहे और मैं वास्तव में इसके लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा कि देश के लिए खेलना सबसे खास अहसास है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगा। यह नई भूमिका अपने साथ ढेर सारी जिम्मेदारी, उत्साह और जोश लेकर आई है। मुझे उम्मीद है कि आगे भी आपका समर्थन और आशीर्वाद मिलता रहेगा। सारी प्रसिद्धि ईश्वर तक पहुंचती है, ईश्वर महान हैं। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा भी थे।

भारत की टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज।

भारत की वनडे टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

विधात्री उर्स ने बतौर पेशेवर डब्ल्यूपीजीटी के 9वें चरण में पहला खिताब जीता

होसुर (तमिलनाडु)। भारतीय गोल्फर विधात्री उर्स ने शुक्रवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) 2024 के नौवें चरण का खिताब अपने नाम किया। विधात्री ने अंतिम दौर के शुरुआत में बर्डी की हैट्रिक लगायी और दो शॉट से खिताब जीत लिया। विधात्री ने एक अंडर 70 का कार्ड खेला। इससे पहले उन्होंने दो दिन में 68 और 69 के कार्ड खेले थे। इससे उनका कुल स्कोर छह अंडर 207 रहा। यह विधात्री की बतौर पेशेवर गोल्फर पहली जीत थी। हालांकि एमेच्योर के तौर पर वह पहले भी टूर पर खिताब जीत चुकी हैं। एमेच्योर सान्वी सोमू (71) 209 के कुल स्कोर से दूसरे स्थान पर रहीं जबकि अनुभवी गौरिका बिश्नोई दो अंडर 211 के कुल स्कोर से तीसरे स्थान पर रहीं।

जोथनपुइया के आने से ईस्ट बंगाल बेहतर होगी : प्रबंधन

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी ने मिजोरम के मार्क जोथनपुइया से करार किया है। जोथनपुइया 2026-27 सत्र के अंत तक ईस्ट बंगाल से खेलेंगे। टीम प्रबंधन के अनुसार जोथनपुइया के आने से टीम को मिडफील्ड और रक्षापंक्ति के लिए एक बेहतर खिलाड़ी मिल जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी प्रबंधन ने जोथनपुइया को शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही कहा कि जोथनपुइया देश के सबसे उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने का प्रयास करेंगे।

टेस्ट डेब्यू पर बोले अर्शदीप सिंह- अगर मौका मिला तो अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा

चंडीगढ़ (पंजाब) (एजेंसी)। मेन इन ब्लू की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शुक्रवार को टेस्ट क्रिकेट में मौका मिलने के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह इस प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगे। अर्शदीप चंडीगढ़ विश्वविद्यालय पहुंचे थे जहां बारबाडोस में टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। अर्शदीप भारत के लिए टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 8 मैचों में 12.64 के औसत और 7.16 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिए, जिसमें 4/9 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े थे।

इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के दौरान टेस्ट में भारत के लिए डेब्यू करने की संभावनाओं पर मीडिया से बात करते हुए अर्शदीप ने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में, आप अपना 100 प्रतिशत देना चाहते हैं, चाहे कोई भी प्रारूप हो। मैं भी सोच रहा हूं कि अगर मौका मिला तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।

2022 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से अर्शदीप ने 52 टी20आई और 6 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। टी20 में उन्होंने 19.10 की औसत से 79 विकेट लिए हैं। 50 ओवर के प्रारूप में अर्शदीप ने 18.40 की औसत से 10 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/37 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बहरहाल, एक खिलाड़ी के रूप में प्रेरणा लेने पर अर्शदीप ने कहा कि वह हर जगह प्रेरणा तलाशते हैं, खासकर उन लोगों में जो जीवन में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के रूप में, मैं हर किसी में प्रेरणा चाहता हूं, चाहे वह दिहाड़ी मजदूर हो, अपनी कक्षाओं में टॉप करने वाला छात्र हो या प्रोफेसर हो। मैं अपने जीवन में अच्छा प्रदर्शन करने वालों से प्रेरणा लेने की कोशिश करता हूं।

अर्शदीप ने देश के युवाओं को संदेश देते हुए उनसे कड़ी मेहनत करने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्हें अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। उन्होंने निष्कर्ष निकाला- युवाओं के लिए संदेश यह है कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखें, जो वे कर सकते हैं उस पर नियंत्रण रखें। कड़ी मेहनत करते रहें। आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा।

केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने सरसाणा में एसजीसीसीआई और सूरत टेक्समैक फेडरेशन द्वारा आयोजित 'सीटेक्स-आर4' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

सूरत। दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिणी गुजरात चैंबर व्यापार और उद्योग विकास केंद्र और सूरत टेकमैक फेडरेशन ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। 'सीटेक्स - सूरत इंटरनेशनल टेक्सटाइल एक्सपो - 2014' का आयोजन 20, 21 और 2 जुलाई 2014 को सुबह 10:00 बजे से शाम 7ः00 बजे तक सरसाणा स्थित सूरत इंटरनेशनल एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में किया गया है।

CTEX प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह सूरत में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में भारत के राज्य स्तरीय कपड़ा मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा उपस्थित थे और उनके द्वारा CTEX का उद्घाटन किया गया। इस समारोह में भारतीय कपड़ा मंत्रालय के अतिरिक्त कपड़ा सचिव श्री एस.पी. वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कपड़ा मंत्री श्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि कपड़ा उद्योग के विकास के लिए चैंबर द्वारा दिए गए प्रस्तावों को जल्द से जल्द हल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कपड़े का उपयोग रोटी, कपड़े से लेकर भवन निर्माण तक में किया जाता है। वर्तमान में वैश्विक बाजार में भारतीय कपड़ा उद्योग का योगदान 4 प्रतिशत है और इसे बढ़ाने के प्रयास किये जायेंगे। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए टेक्सटाइल एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत सरकार विविधता, नवाचार, अनुकूलनशीलता और आत्मनिर्भरता पर जोर दे रही है।

उन्नत प्रौद्योगिकी, रणनीतियों, तकनीकी संसाधनों, गुणवत्ता और डिजाइन का लाभ उठाना कपड़ा उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिलहाल देश में स्थिर जिम्मेदार और सुधार वाली डबल इंजन सरकार है, इसलिए देश में निवेश बढ़ रहा है। सरकार रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की दिशा में काम कर रही है। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल पर फोकस है। उसके लिए एक पूरा इको सिस्टम विकसित किया जा रहा है। आपूर्ति श्रृंखला, पीएलआई, राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन में कौशल अंतर को पाटने का प्रयास किया जा रहा है।

मंत्री ने संबोधन की शुरुआत गुजराती में की और कहा कि वह अगली बार पूरा संबोधन गुजराती भाषा में देंगे और कहा कि गुजराती भाषा दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भाषाओं में से एक है. उन्होंने सूरत के घरी, उंधिउ, लोचा को बहुत मशहूर बताते हुए सूरत के लोगों के बीच आत्मीयता पैदा करने की बात की सराहना की. इसके अलावा, उन्होंने सूरत के उद्योगपतियों से मिलने का अवसर मिलने के लिए चैंबर को धन्यवाद दिया।

एसजीसीसीआई अध्यक्ष श्री विजय मेवावाला ने उद्घाटन समारोह में सर्वेक्षण का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2017 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है और उद्योगपतियों को 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य दिया है, जबकि कपड़ा मशीनरी की यह प्रदर्शनी संपूर्ण विकास कर सकती है कपड़ा उद्योग और गुजरात क्षेत्र देश की जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं, ऐसा प्रयास किया गया है। छ्ह्व्द्ध× प्रदर्शनी वस्त्रों की गुणवत्ता को उन्नत करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी। भारत द्वारा पूरी दुनिया को कपड़ा उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए टेक्सटाइल मशीनरी की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है।

चैंबर अध्यक्ष ने कपड़ा उद्योग के सामने आने वाली कुछ समस्याओं के समाधान के लिए भारत के राज्य स्तरीय कपड़ा मंत्री श्री पाबित्रा मार्गेरिटा के समक्ष एक प्रस्तुति दी। 17 प्रकार के विशेष यार्न जैसे मैकेनिकल स्ट्रेच यार्न, बाई-श्रिंकेज यार्न, हाई डेनियर पॉलिएस्टर औद्योगिक यार्न, लो डेनियर हाई फिलामेंट यार्न और लो डेनियर लो फिलामेंट यार्न, जो भारत में निर्मित नहीं होते हैं और इन यार्न को चीन से आयात करना पड़ता है, QCO के अधीन हैं। भारत में यार्न की उत्पादकता के मुकाबले मांग अधिक है, इसलिए ऐसे यार्न से क्यूसीओ को भी हटाया जाना चाहिए ताकि उद्योगपतियों को ऐसे यार्न की पर्याप्तता उपलब्ध हो सके और वे इनका आयात कर सकें।

चैंबर अध्यक्ष ने यार्न बैंक योजना को दोबारा शुरू करने के लिए प्रेजेंटेशन भी दिया. उन्होंने मंत्री को बताया कि क्यूसीओ के कारण यार्न की कीमत में भारी वृद्धि हुई है और यार्न की उपलब्धता भी कम हो गयी है. छोटे बुनकरों को धागा खरीदने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए उन्होंने सुझाव दिया कि बुनकरों की मुश्किलें कम करने के लिए यार्न बैंक योजना दोबारा शुरू की जानी चाहिए. साथ ही अनुरोध किया कि चीनी इंजीनियरों को सूरत आने के लिए वीजा मिलना चाहिए।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल में अग्नि एवं आपदा प्रबंधन के अंतर्गत मॉक ड्रिल आयोजित की गई

सूरत । 20/07/2024 को द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों को आग लगने जैसी आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य कैसे करना है? साथ ही, स्कूल के प्रिंसिपल, कैंपस डायरेक्टर और ट्रस्टी द्वारा कक्षा 1 से 12 तक के सभी छात्रों के लिए अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करने के तरीके पर एक आपातकालीन फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें अडाजण और जहांगीराबाद फायर स्टेशन के प्रमुखों के साथ-साथ पुलिस और मेडिकल टीम को आपातकालीन नंबर पर बुलाया गया। उन्होंने अपने कार्य के अनुरूप बचाव कार्यों की मॉक ड्रिल की तथा अंत में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार को अग्निशमन उपकरणों की व्यवहारिक जानकारी देकर जागरूक किया।

स्कूल के प्रबंध निदेशक श्री किशनभाई मांगूकिया ने छात्रों में ऐसी उद्यमशील गतिविधि विकसित करने के उद्देश्य से स्कूल के कैंपस निदेशक और प्रिंसिपल के साथ चर्चा करने के बाद इस मॉक ड्रिल का आयोजन किया, जिसके बारे में किसी भी छात्र या शिक्षक को जानकारी नहीं थी। यह ड्रिल सफल रहा। स्कूल की इस गतिविधि से सभी अभिभावक बहुत खुश हुए और स्कूल के कार्य की सराहना की।

अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा आयोजित मेले का हुआ समापन, मेले के अंतिम दिन उमड़ी भीड़

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन मेले के अंतिम दिन महिलाओ की भरी भीड़ उमड़ी। शुक्रवार से चल रहे मेले में महिलाओं ने आभूषण, राखी, गिफ्ट आइटम, प्रसाधन सामग्री,गृहोपयोगी वस्तुएं, हैण्डीक्राफ्ट्स, बैग, गारमेन्ट्स, सजावट की विभिन्न वस्तुएं सहित अनेकों सामान की खरीदारी की। मेलें में आगामी त्यौहार को देखते हुए कपड़ों और गहनों की नयी नयी डिजायन देखने को मिली। मेलें में अहमदाबाद, मुम्बई, जयपुर, बड़ौदा, कोलकाता सहित देश एवं विदेश के अनेकों शहरों की महिला उधमियों ने हिस्सा लिया एवं सभी की स्टॉल पर भरी भीड़ रहीं। सभी दर्शकों ने मेले को काफी सराया। मेले में सुबह से ही भीड़ रही जो देर शाम तक रही । इस मेले का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्लेटफार्म प्रदान करना है। सावन मेले से हुई आय को संघ द्वारा कैंसर हॉस्पिटल में दान दी गई। मेले के दौरान अग्रवाल महिला मैत्री संघ की अध्यक्ष सविता सिंघानियाँ, सचिव वीणा बंसल, मेले की संयोजिका पदमा तुलस्यान, सुमन अग्रवाल, उमा जालान, शशि डालमिया सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रही ।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने रोबोट की मदद से अपनी तरह की पहली ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी करके इतिहास रच दिया

अहमदाबाद।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद ने रोबोट की मदद से अपनी तरह की पहली ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा करके शहर में चिकित्सीय उत्कृष्टता के क्षेत्र में शानदार मिसाल कायम की है, और इस सर्जरी के लिए स्स्द्ध मंत्रा नामक रोबोटिक सिस्टम का उपयोग किया गया है। सर्जरी की इस तकनीक में बेहद कम चीर-फाड़ की जरूरत होती है, जिसमें बहुत छोटे आकार के एक चीरे के माध्यम से रोबोट का उपयोग करके ब्रेस्ट को निकाला जाता है और उसे ठीक किया जाता है। यह पश्चिमी भारत में की गई अपनी तरह की पहली सर्जरी है। डॉ. अनघा ज़ोपे - सीनियर कंसल्टेंट, ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, की अगुवाई में यह सर्जरी की गई।

स्तन कैंसर से पीड़ित दो मरीजों की रोबोट की सहायता से सर्जरी के लिए स्स्द्ध मंत्रा रोबोटिक इंटरवेंशन तकनीक की मदद ली गई। 43 वर्षीय नैना देवी (बदला हुआ नाम) दो बच्चों की माँ हैं, जो दाएँ स्तन में कैंसर की समस्या से पीड़ित थीं और उन्हें डॉ. अनघा ज़ोपे के पास लाया गया था। उसका हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव था, और उसके दाएँ स्तन में कैंसर के कई केंद्र थे। जाँच के अनुमानों के अनुसार वह शुरुआती चरण ןा से गुज़र रही थीं। 42 वर्ष की शीला देवी (बदला हुआ नाम) एक गृहिणी हैं और दो बच्चों की माँ है। बाएँ स्तन में कैंसर, ट्रिपल नेगेटिव, के साथ उन्हें अस्पताल लाया गया था। जाँच के अनुमानों के अनुसार वह शुरुआती चरण 1क्क से गुज़र रही थीं, साथ ही उनके बाएँ स्तन में कैंसर के कई केंद्र थे। अस्पताल की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम की समीक्षा के अनुसार, उन्हें सर्जरी से पहले प्री-ऑपरेटिव नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी दी गई। दोनों मरीजों को सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी तथा डायरेक्ट-टू-इम्प्लांट रीकंस्ट्रक्शन के साथ रोबोट की सहायता वाली निपल-सेविंग मास्टेक्टॉमी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

अत्याधुनिक तकनीक वाले रोबोटिक आर्म के साथ ये रोबोट बेहद जटिल ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी में डॉक्टर की मदद करते हैं, जो इंसानों के हाथों की तुलना में इस काम को ज़्यादा बारीकी के साथ पूरा करते हैं। इससे आस-पास के टिश्यू को नुकसान होने का जोखिम कम हो जाता है, साथ ही यह रीकंस्ट्रक्शन के साथ रोबोट की सहायता से मास्टेक्टोमी जैसी न्यूनतम चीर-फाड़ वाली सर्जरी की तकनीक को संभव बना देता है। इन प्रक्रियाओं में बहुत छोटे चीरे लगाए जाते हैं, दर्द कम होता है, मरीज को ठीक होने में काफी कम समय लगता है तथा सर्जरी के निशान भी बेहद मामूली होते हैं, और कई बार अतिरिक्त प्रक्रियाओं से भी बचा जा सकता है।

सर्जरी के ज़रिये ब्रेस्ट कैंसर के उपचार में ब्रेस्ट एवं लिम्फ नोड की हिफाजत करने वाली सर्जरी को गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। हालाँकि, स्तन कैंसर के हरेक मामले में कैंसर पर नियंत्रण के साथ-साथ इसके दोबारा होने के जोखिम को कम करना सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है, लेकिन कुछ मामलों में ब्रेस्ट को हटाने के लिए मास्टेक्टॉमी करना जरूरी होता है, जिससे महिलाओं को जज़्बाती तौर पर अपने शरीर के महत्वपूर्ण अंग को खोने के कड़वे अनुभव से गुज़रना पड़ता है।

अहमदाबाद के मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल की सीनियर ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टिक सर्जन, डॉ. अनघा ज़ोपे कहती हैं, "स्तन कैंसर दुनिया के साथ-साथ भारत में सबसे ख़तरनाक बीमारियों में से एक है, जिससे युवा महिलाएं अधिक संख्या में पीड़ित हो रही हैं। उपचार के तरीकों में प्रगति और स्तन कैंसर के उपचार के लिए पर्सनलाइज्ड, मल्टी-डिसिप्लिनरी तकनीक के उपयोग के साथ, अब हम मरीजों को यह लड़ाई जीतने में मदद कर सकते हैं। अब मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में शुरुआती चरण वाले स्तन कैंसर से पीड़ित और आनुवंशिक जोखिम वाली चुनिंदा महिलाओं को रोबोट की सहायता से तत्काल रीकंस्ट्रक्शन के साथ निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी की पेशकश की जा सकती है।"

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में अध्यापकों का किया सम्मान

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा शनिवार को मनपा द्वारा संचालित एसएमसी शाला नंबर 160 एवं 337 के अध्यापकों का सम्मान करके गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। आयोजन महिला शाखा द्वारा अध्यापकों को साड़ी एवं गिफ्ट दिये गए। उपस्थित सभी विधार्थियों को जीवन में गुरु का महत्व, गुरु के दिखाए रास्ते पर चलना आदि समझाया गया। इस मौक़े पर अग्रवाल विकास ट्रस्ट के सचिव अनिल शोरेवाला, कोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन, राहुल अग्रवाल के अलावा महिला शाखा की सचिव सरोज अग्रवाल, सीमा कोकरा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, आरती मित्तल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

ओला इलेक्ट्रिक ने अपने एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 रुपये तक की बचत के साथ आकर्षक डील्स पेश कीं

बैंगलुरू।

ओला इलेक्ट्रिक अपने ओला एस1 स्कूटरों की खरीद पर 25,000 रुपये तक के आकर्षक बेनेफिट्स प्रदान कर रहा है। 22 जुलाई तक लागू इन ऑफरों में एस1 एक्स+ पर 10,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 5,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अतिरिक्त डिस्काउंट भी दे रही है। इन ऑफ़रों के अलावा ग्राहकों को ईएमपीएस 2024 के अंतर्गत 10,000 रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी। इन आकर्षक ऑफ़रों का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कीमतें बढ़ने से पहले ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदकर उसे रजिस्टर कराना होगा।

ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। हाल ही में कंपनी ने मास-मार्केट सेगमेंट में अपना एस1 एक्स पोर्टफोलियो उतारा है। तीन बैटरी कॉन्फिगुरेशन (2 किलोवॉटघंटा, 3 किलोवॉटघंटा, और 4 किलोवॉटघंटा) के साथ इन स्कूटरों का मूल्य क्रमश: 74,999 रुपये; 85,999 रुपये और 97,499 रुपये है। साथ ही इसके प्रीमियम स्कूटरों में एस1 प्रो, एस1 एयर, और एस1 एक्स+ का मूल्य क्रमश: 1,28,999 रुपये, 1,01,499 रुपये और 84,999 रुपये है।

ओला इलेक्ट्रिक अपने उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला पर बिना किसी अतिरिक्त लागत के 8 साल/80,000 किलोमीटर की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी प्रदान करता है। ओला इलेक्ट्रिक का मानना है कि इस कदम से इलेक्ट्रिक वाहनों की उम्र बढ़ेगी, और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में आने वाली एक बड़ी बाधा का समाधान हो सकेगा। ग्राहक एड-ऑन वॉरंटी लेकर 1,00,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 4,999 रुपये देकर और 1,25,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 12,999 रुपये देकर वॉरंटी के अंतर्गत ला सकते हैं। इसके अलावा, केवल 2,999 रुपये के ओला केयर+ सब्सक्रिप्शन में फ्री सर्विस, जैसे प्रतिवर्ष विस्तृत चेक-अप, सर्विस पिक एवं ड्रॉप सेवाएं, कंज्यूमेबल्स, और थेफ्ट एवं रोडसाइड असिस्टेंस शामिल हैं।

भारत में तेजी से बढ़ रही है फोल्डेबल स्मार्टफोन की मांग : सैमसंग के मोबाइल बिजनेस हेड टीएम रोह

गुरुग्राम। भारत दुनिया के सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजारों में से एक है और सैमसंग के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। यह कहना है दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के एक सीनियर एक्जीक्यूटिव का। भारत में बिकने वाले लगभग 80त्न स्मार्टफोन की कीमत 30,000 रुपये से कम है, लेकिन अब पहले से ज्यादा उपभोक्ता प्रीमियम स्मार्टफोन खरीद रहे हैं, जिससे फोल्डेबल जैसे खास प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस के प्रेसिडेंट और हेड टीएम रोह ने कहा, "भारतीय बाजार उन बाजारों में से एक है जहां फोल्डेबल फोन्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसमें सबसे ज्यादा खास गैलेक्सी फोल्डेबल्स हैं। हमें उम्मीद है कि इस साल बाजार में मांग बढ़ेगी और भारतीय ग्राहक गैलेक्सी एआई के साथ नए गैलेक्सी ʼ फ्लिप6 और गैलेक्सी ʼ फोल्ड6 को अपनाएंगे जिन्हें फोल्डेबल स्मार्टफोन पसंद करने वालों के लिए बनाया गया है।"

सैमसंग के हाल ही में लॉन्च किए गए गैलेक्सी Z फोल्ड6 और Z फ्लिप6 फोल्डेबल स्मार्टफोन ने भारत में शानदार शुरुआत की है और मात्र 24 घंटों में ही पिछली जनरेशन के फोल्डेबल स्मार्टफोन की तुलना में इनकी 40% ज्यादा प्री-बुकिंग हो चुकी हैं। छठी जनरेशन के गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी एआई पर चलते हैं जो सैमसंग के एआई टूल्स का एक सेट है। यह कम्युनिकेशन की बाधाओं को तोड़ने और उपभोक्ताओं की रचनात्मकता और उत्पादकता को बढ़ाने में मदद करता है। टीएम रोह ने कहा कि सैमसंग बड़े पैमाने पर मोबाइल एआई को आम लोगों तक पहुंचा रहा है और साल के अंत तक 200 मिलियन गैलेक्सी डिवाइस में गैलेक्सी एआई को इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि गैलेक्सी Z फोल्ड 6 और गैलेक्सी Z फ्लिप 6 बेहतरीन फोल्डेबल डिज़ाइन और गैलेक्सी एआई के साथ सबसे शक्तिशाली गैलेक्सी एआई फोल्डेबल हैं।

सैमसंग ने नए फोल्डेबल पर डिस्प्ले और हिंज को मजबूत किया है, जिससे इसकी मजबूती और भी बढ़ गई है। इसने बेहतर गेमिंग अनुभव के लिए हीट डिसिपेशन स्ट्रक्चर में भी सुधार किया है और बैटरी की क्षमता को बढ़ाया है ताकि नया Z फ्लिप6 एक बार चार्ज करने पर लंबे समय तक चल सके। सैमसंग ने नए डिज़ाइन के साथ नई स्मार्टवॉच और टीडब्लूएस डिवाइस - गैलेक्सी बड्स 3 और बड्स 3 प्रो भी लॉन्च किए हैं।

टीएम रोह ने कहा, "इस साल, पहली बार, हम गैलेक्सी एआई के अनुभव को हेल्थकेयर में भी लेकर आए हैं। नई गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा और वॉच7 लेटेस्ट बायोएक्टिव सेंसर से लैस हैं, और इनकी मदद से उपयोगकर्ता अपने स्वास्थ्य संबंधी संकेतकों पर पूरी नजर रख सकते हैं और एक स्वस्थ और बेहतर जीवन जी सकते हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)